C M Y K

दैनिक
देवव्रत
Dainik DEVVRAT
www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 249
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
07 जून 2026, रविवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद हाईकोर्ट की पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर तल्ख टिप्पणी

उप्र में पुलिस संविधान के बजाय सत्ताधारियों के प्रति ज्यादा वफादार

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारी संविधान के बजाय सत्ताधारी सरकार के प्रति ज़्यादा वफ़ादार हैं। बार एंड बेंच की ख़बर के मुताबिक, यूपी पुलिस के कामकाज की कड़ी आलोचना करते हुए जस्टिस विनोद दिवाकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नेताओं और अफ़सरों की 'सामंती सोच' ने लंबे समय से संवैधानिक शासन को जनसेवा के बजाय निजी दबदबे का ज़रिया बना दिया है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने यह अहम टिप्पणियां गाज़ियाबाद में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज आपराधिक मामले की सुनवाई के दौरान कीं. कोर्ट ने पाया कि यह सख़्त कानून पूरी तरह से दीवानी कानूनों के अंतर्गत आने वाले विवाद में लागू किया गया है. बेंच ने गौर किया कि चार्जशीट में किसी ठोस सबूत का उल्लेख नहीं किया गया है. जबकि गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज होने के ठीक अगले दिन इन लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया और उन्हें लगभग 80 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहना पड़ा।

बेंच ने कहा कि हो सकता है कि आरोपियों ने धोखाधड़ी और जालसाज़ी जैसे अपराध किए हों। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है इन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने या कोई अनुचित फ़ायदा उठाने के मकसद से हिंसा, डराने–धमकाने या ज़बरदस्ती का सहारा लिया है। इसे संगठित गिरोह चलाने के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। इसलिए इस मामले में गैंगस्टर एक्ट की धारा 2(इ) लागू करने के लिए ज़रूरी शर्तें पूरी नहीं होती हैं। अपने निष्कर्ष में अदालत ने यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज इस आपराधिक मामले को रद्द कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र अलग–अलग सरकारों के दौर में गहरे राजनीतिक दखल का शिकार रहा है और कुछ मामलों को छोड़कर, अधिकारियों के तबादले, पोस्टिंग और प्रमोशन अक्सर योग्यता–आधारित शासन के बजाय राजनीतिक संरक्षण का साधन रहे हैं. अदालत ने आगे कहा कि यह एक जानी–मानी बात है कि जो अधिकारी वफादार माने जाते हैं, उन्हें मनपसंद पोस्टिंग जैसे शहरी कमिश्नरेट और ज़्यादा कमाई वाले ज़िले– दिए जाते हैं, जबकि जो अधिकारी आज़ाद सोच दिखाते हैं, उन्हें सज़ा के तौर पर कम अहमियत वाली जगहों पर ट्रांसफर कर दिया जाता है।

अदालत के अनुसार, 'अधिकारियों की वफ़ादारी संविधान के प्रति नहीं, बल्कि सत्ताधारी सरकार के प्रति होती है। फील्ड अधिकारी ट्रांसफर–पोस्टिंग के खेल को अच्छी तरह समझते हैं और अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के हिसाब से ही काम करते हैं। एनकाउंटर में हत्याएं, चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई और परेशानी पैदा करने वाले लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का इस्तेमाल–इन सब मामलों पर समय–समय पर अदालतों का ध्यान गया है। उत्तर प्रदेश में पुलिस के कामकाज और कानून के शासन पर कड़ी टिप्पणी करते हुए जस्टिस दिवाकर ने कहा, 'अधिकारियों का एक बड़ा वर्ग कानून के शासन को संवैधानिक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि कामकाज में आने वाली एक रुकावट मानता है. बिना सही प्रक्रिया के गिरफ्तारियां की जाती हैं; कई बार गलत इरादों से एफआईआर दर्ज की जाती हैं या दबा दी जाती हैं; और अधिकारियों की मनमर्जी से एहतियातन हिरासत के प्रावधानों का मनमाना इस्तेमाल किया जाता है. 'कोड ऑफ़ क्रिमिनल प्रोसीजर' (और अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता') के तहत मिलने वाली प्रक्रियात्मक सुरक्षा को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है. अदालती आदेशों का पालन सिर्फ़ दिखावे के लिए किया जाता है, लेकिन असल में उनका मक़सद पूरा नहीं होने दिया जाता है।' कोर्ट ने सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1986 से जुड़े मामले को लेकर राज्य में पुलिस की शक्तियों के गलत इस्तेमाल पर गंभीरता से प्रकाश डाला। चूंकि सुप्रीम कोर्ट भी 1986 के कानून से जुड़े मुद्दों पर विचार कर रहा है, इसलिए जस्टिस दिवाकर ने उन मुद्दों पर कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया।

अदालत ने राज्य के गृह सचिव की आलोचना की और सरकार से कहा कि वह विभाग में अपने अधिकारियों की उपयुक्तता और काम करने की क्षमता का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करे। कोर्ट ने कहा, 'कुछ अधिकारी जो गृह सचिव के पद तक पहुंचे, उन्होंने असल में अपने निजी स्वार्थों को साधने का काम किया है। ऐसे मामलों में पोस्टिंग की सिफारिशें, विभागीय कार्यवाही की मंजूरी और अदालती कार्यवाही पर जवाब देने में निष्पक्ष और संवैधानिक रूप से सही प्रशासनिक फ़ैसले के बजाय निजी या बाहरी कारणों का असर दिखा है। यह उस संस्थागत ईमानदारी से बुनियादी तौर पर समझौता करता है जिसकी इस पद के लिए ज़रूरत होती है। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक कामकाज को किसी व्यक्ति की अपनी ज़रूरतों या सुविधा का बंधक नहीं बनाया जा सकता। साथ ही सरकारी तंत्र को किसी सत्ताधारी व्यवस्था के प्रति नहीं, बल्कि कानून और भारत के संविधान के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों के मनमाने ढंग से काम करने का उदाहरण देने के लिए कानपुर के बिकरू गांव में मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ़ की गई कार्रवाई का भी ज़िक्र किया। अदालत ने कहा कि बिकरू गांव के ऑपरेशन देखने वाले पुलिसकर्मियों– जिसमें डीसीपी समेत आठ पुलिसकर्मी मारे गए थे, को सिर्फ़ एक औपचारिक चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। बेंच ने कहा कि इस कोर्ट को सुपरवाइज़री विफलता की गंभीरता और उसके मुकाबले इतनी हल्की सज़ा के बीच कोई तालमेल नहीं दिखता। असल में संस्थागत छूट का यही चलन अधिकारियों को जवाबदेही से बचने का हौसला देता है और उस सामंती व राजनीतिक संरक्षण वाले प्रशासनिक सिस्टम को बनाए रखता है, जिसका ज़िक्र कोर्ट ने पहले किया है।

शादी के बाद भी बेटी मायके परिवार की सदस्य, पूरा लाभ पाने की हकदार-सुप्रीम कोर्ट

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 में बदलाव से पहले भी आये हैं अदालतों के कई फैसले

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम फैसले में कहा है कि शादी के बाद भी बेटी अपने माता–पिता के परिवार की सदस्य बनी रहती है। इसने साफ़ कह दिया कि यह पुरानी सोच गलत है कि शादी के बाद बेटी अपना मायका छोड़ देती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम फ़ैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फ़ैसले को पलटते हुए दिया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की उस नीति को भी रद्द कर दिया, जिसमें शादीशुदा बेटी को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखा जाता था।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इसी हफ्ते मंगलवार को कहा कि शादी के बाद भी बेटी अपने माता–पिता के परिवार की सदस्य बनी रहती है इसलिए सहानुभूति के आधार पर नौकरी, राशन की दुकान, कारोबार या अन्य सरकारी लाभों से विवाहित बेटी को बाहर नहीं किया जा सकता है। यह मामला उत्तर प्रदेश की रहने वाली निशा नाम की एक महिला से जुड़ा था। उनकी मां सरकारी राशन की दुकान चलाती थीं। मां के मरने के बाद निशा ने सहानुभूति के आधार पर उस दुकान का आवंटन मांगा। निशा अपनी चार छोटी बहनों की इकलौती कमाने वाली सदस्य थीं। एक बहन तो विकलांग भी थीं। फिर भी निशा का आवेदन सिर्फ इसलिए ठुकरा दिया गया क्योंकि वह शादीशुदा थीं। उत्तर प्रदेश सरकार के 2019 के आदेश में साफ़ लिखा था कि परिवार में सिर्फ 'अविवाहित, विधवा या कानूनी रूप से अलग हुई बेटी ही शामिल मानी जाएगी। शादीशुदा बेटी को परिवार में नहीं गिना जाएगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की इस नीति को संविधान के खिलाफ बताते हुए रद्द कर दिया। दि प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने कहा कि यह नीति अनुच्छेद 14 यानी समानता का अधिकार और अनुच्छेद 15(1) यानी लिंग के आधार पर भेदभाव न करना का उल्लंघन करती है। इसने कहा कि शादी का मतलब यह नहीं होता कि बेटी का मां–बाप और भाई–बहनों से रिश्ता खत्म हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ़ कह दिया कि शादी के बाद भी बेटी मायके की जिम्मेदारी ले सकती है। इसने कहा कि विवाहित बेटे को तो परिवार माना जाता है, लेकिन विवाहित बेटी को नहीं मानना लिंग के आधार पर भेदभाव है। अदालत ने अपने फ़ैसले के पक्ष में तर्क दिया कि आर्थिक ज़रूरत और सहायता की ज़रूरत शादी के बाद भी ख़त्म नहीं हो जाती है।

शादी न तो बेटी और उसके मायके के बीच के रिश्ते को ख़त्म करती है और न ही यह मानने का आधार है कि अब वह आर्थिक रूप से मायके पर निर्भर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने निशा के आवेदन को ठुकराने वाले आदेश को रद्द कर दिया और सरकार को 4 हफ्ते के अंदर उसके नाम राशन की दुकान आवंटित करने का आदेश दिया है। 2005 में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 में बदलाव होने से पहले बेटियाँ अपने पिता की मृत्यु के बाद केवल उनके हिस्से की संपत्ति पा सकती थीं, लेकिन वे पुरखों की संपत्ति को बाँटने की माँग नहीं कर सकती थीं। 2005 के बदलाव के बाद बेटियों को भी बेटों के बराबर अधिकार मिल गए। अब बेटी का जन्म होते ही उसे कोपार्सेनरी राइट यानी पिता की पुरखों की संपत्ति में जन्म से हिस्सा मिल जाता है और वह संपत्ति बाँटने की माँग कर सकती है।

शादीशुदा महिलाओं के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का ताज़ा फ़ैसला अकेला नहीं है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट कई बार यह बात कह चुका है। 2015 में प्रकाश बनाम फुलवती मामले में सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने कहा कि यदि पिता 9 सितंबर 2005 से पहले मर गए हों तो बेटी को पुरखों की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिलेगा। 2018 में दानम्मा बनाम अमर मामले में दूसरी दो जजों की बेंच ने कहा कि 2001 में पिता के मरने के बावजूद भी दोनों बेटियों को संपत्ति में हिस्सा मिलना चाहिए। इन दोनों विरोधाभासी फैसलों के कारण 2020 में जस्टिस अरुण मिश्रा, एस. अब्दुल नजीर और एम. आर. शाह की तीन जजों की बेंच ने विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा मामले में बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि धारा 6 बेटी को जन्म से ही पुरखों की संपत्ति में अधिकार देती है। यह अधिकार पिता के 9 सितंबर 2005 को जीवित होने या न होने पर निर्भर नहीं करता। जस्टिस अरुण मिश्रा ने कहा था।

भाजपा में शीर्ष पर बैठे नेताओं की भाषा अभद्र व असंसदीय-अखिलेश

सिर्फ नफरत फैलाने का काम

लखनऊ, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार से लेकर संगठन तक में शीर्ष पदों पर बैठे भाजपा नेताओं की भाषा बेहद अभद्र और असंसदीय है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों, सहयोगी दलों ने नौ साल के कार्यकाल में विकास का कोई कार्य नहीं किया। भेदभाव और नफरत फैलाने का काम किया। भाजपा सरकार में कानून–व्यवस्था ध्वस्त है। हर दिन जघन्य हत्याएं हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त दवा व इलाज नहीं मिल रहा है। दवाओं में बड़े पैमाने पर घपलेबाजी है। बिजली व्यवस्था चरमरायी हुई है। स्मार्ट मीटर लगाकर भाजपा सरकार ने जनता को लूटने का काम किया। शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा हो गई है। परीक्षाएं पारदर्शी नहीं रह गई हैं। पेपर लीक हो रहे है। सरकार समय पर पंचायत चुनाव तक नहीं करा पाई। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों के पास जनता से जुड़े मुद्दों और भाजपा द्वारा किए गए वादो पर कोई जवाब नही है। भाजपा सरकार–2027 में हार के डर से भयभीत है। मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी दल अलोकतांत्रिक व अमर्यादित व्यवहार और भाषा पर उतर आए हैं। संवैधानिक पदों पर बैठे भाजपा के लोगों में अपने पदों की मर्यादा का भी सम्मान नहीं है।

अखबार में खाना लपेटना खतरनाक, अब होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। भारत में सड़क किनारे मिलने वाले गरमा–गरम वड़ापाव या पकौड़ों को अखबार में लपेटकर देना एक आम बात है। लेकिन यह 'जुगाड़' अब महंगा पड़ सकता है। हाल ही में एक मशहूर वड़ापाव विक्रेता के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई ने फूड पैकेजिंग के खतरनाक सच को सामने ला दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने साफ कर दिया है कि अखबार में खाना लपेटना केवल असुरक्षित ही नहीं, बल्कि गैरकानूनी भी है। हाल ही में यह देखा गया कि एक मशहूर वड़ापाव विक्रेता ग्राहकों को अखबार में खाना पैक करके और परोस कर दे रहा था। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए, एफएसएसएआई के पश्चिमी क्षेत्र और बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। पूरे शहर और क्षेत्र में ऐसी अन्य घटनाओं की संभावना को देखते हुए, एफएसएसएआई ने सभी खाद्य विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे खाना पैक करने या परोसने के लिए अखबार का इस्तेमाल तुरंत बंद करें।

एफएसएसएआई के अनुसार, अखबार की छपाई में इस्तेमाल होने वाली स्याही में कई हानिकारक रंग, पिगमेंट, बाइंडर और रसायन होते हैं। इसमें विशेष रूप से लेड और अन्य भारी धातुएं शामिल होती हैं। जब कोई गर्म या तेल वाला खाना इस प्रिंट के संपर्क में आता है, तो ये टॉक्सिन्स (जहरीले तत्व) सीधे खाने में मिल जाते हैं, जिससे गंभीर और पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, अखबारों के वितरण के दौरान वे अस्वच्छ परिस्थितियों से गुजरते हैं, जिससे वे बीमारियों का कारण बनने वाले रोगजनकों के वाहक बन जाते हैं।

लालू प्रसाद–राबड़ी देवी के बाद अब तेजस्वी ने भी लौटाई अपनी सुरक्षा

पटना, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। बिहार में सत्ता और विपक्ष के बीच सुरक्षा घेरे के मुद्दे पर तनाव अब चरम पर पहुंच गया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बाद उनके बेटे और बिहार में नेता प्रतिपक्ष यादव ने भी अपनी सुरक्षा सरकार को वापस लौटा दी है। बिहार में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा इसी साल जनवरी में समीक्षा के बाद घटा दी गई थी। जनवरी 2026 में समीक्षा के बाद तेजस्वी यादव की Z सिक्योरिटी को कम करते हुए इसे Y प्लस कर दिया गया था। तब से तेजस्वी Y प्लस सुरक्षा घेरे में थे। लेकिन माता–पिता के ताजा कदम के बाद तेजस्वी यादव ने भी अपनी सुरक्षा वापस लौटा दी है। तेजस्वी यादव अभी दिल्ली में हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा में लगी Y प्लस सिक्योरिटी टीम पटना वापस आ गई है। कहा जा रहा है कि तेजस्वी की सुरक्षा में तैनात कई सिक्योरिटी जवान पटना वापस आ गए हैं। एक तरह से तेजस्वी यादव ने लालू यादव और राबड़ी देवी के बाद सुरक्षा का 'बॉयकॉट' कर दिया है। इसे राजद की नई रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। राजद नेताओं ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा घटाने की कार्रवाई बदले की नीयत से की गई है।

शक्ति सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने जानबूझकर लालू परिवार की सुरक्षा में व्यापक कटौती की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को वाहन से ठोंका गया था। इसके बावजूद सुरक्षा कम करना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को कमजोर करने और डराने का प्रयास कर रही है। पहले आवास को लेकर विवाद खड़ा किया गया और अब सुरक्षा का मुद्दा सामने लाया गया है। विपक्ष को कमजोर करने का कोई भी प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि राबड़ी देवी पूर्व मुख्यमंत्री होने के साथ–साथ विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी हैं, जबकि लालू प्रसाद यादव भी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके बावजूद उनके पूरे परिवार की सुरक्षा में कटौती की गई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर सरकार की मंशा क्या है। आप चाहते हैं कि लालू प्रसाद के पूरे परिवार को बीच चौराहे पर बुलडोज करा दें। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष विपक्ष को खत्म करने की राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले आवास को लेकर विवाद खड़ा किया गया और अब सुरक्षा का मुद्दा सामने लाया गया है। जनता के जनादेश से पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका तय होती है और विपक्ष को कमजोर करने का कोई भी प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं तो पूरे देश में प्रोटेस्ट

हमें मिटा नहीं सकते–कॉकरोच जनता पार्टी

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। कॉकरोच जनता पार्टी ने अब चेताया है कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफ़ा नहीं देते हैं तो पूरे देश में प्रोटेस्ट होगा। मंच से चेतावनी देते हुए कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने कहा कि यदि धर्मेंद्र प्रधान ने शाम 5 बजे तक इस्तीफ़ा नहीं दिया तो सीजेपी पूरे हफ़्ते भारत के अलग–अलग शहरों में अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी और अगले शनिवार को जंतर–मंतर पर वापस आएगा। उन्होंने सीजेपी का एक्स अकाउंट हटाए जाने का ज़िक्र करते हुए इसे 'आंदोलन' को खत्म करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा, 'इस देश के युवाओं और छात्रों ने अभी तक खुद को बेचा नहीं है। आंदोलन को दबाने की कोशिशें की गई हैं। आप हमारी पोस्ट हटा सकते हैं, लेकिन हमें मिटा नहीं सकते।' उन्होंने भारतीय राजनीति के पिछले दशक की बात की। उन्होंने कहा, शपिछले 10–12 सालों से हम हिंदू–मुस्लिम की राजनीति में उलझे हुए हैं। क्या इससे किसी को नौकरी मिली? इन सबसे किसे फ़ायदा हुआ? मैं इस मकसद के लिए अपनी आज़ादी कुर्बान करने को तैयार हूँ।। इस बीच, पुलिस ने बताया कि आयोजकों ने जंतर–मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन को खत्म करने का फ़ैसला किया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाना और इलाक़े को खाली कराना शुरू कर दिया। विरोध प्रदर्शन खत्म होने के बाद सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी वहां से चले गए। प्रदर्शन के दौरान शशिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दोश के नारे लगाए गए। दिल्ली पुलिस की कड़ी सुरक्षा में कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी का जंतर–मंतर पर प्रदर्शन चल रहा है। इस बीच, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन

को 'एक रिक्वेस्ट या अपील' कहा। शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़े की मांग के संदर्भ में वांगचुक ने वहां मौजूद लोगों से कहा, 'इस्तीफे से ज़्यादा, मैं चाहता हूं कि सरकार ज़िम्मेदारी ले। इस बीच दिल्ली पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है, जो कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जंतर–मंतर के परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। इन प्रदर्शनकारियों को 'दिल्ली पुलिस लाठी चलाओ, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारे लगाते हुए सुना गया। उन्होंने यह भी कहा, 'अगर कोई देश के खिलाफ साजिश करता है, तो हम वापस आएंगे। ईंट का जवाब पत्थर से देंगे...। इससे पहले सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके लोगों को जंतर–मंतर पर शनिवार को प्रदर्शन की इजाजत दे दी। दीपके शनिवार सुबह ही अमेरिका से दिल्ली पहुंचे। प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड में आ गई थी और हज़ारों पुलिसकर्मियों को नई दिल्ली जिले में तैनात किया गया।

प्रदेश में भीषण गर्मी की होगी वापसी

लखनऊ, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों के मौसमी उतार चढ़ाव के बाद अब तपिश भरे दिनों की वापसी होने वाली है। मौसम विभाग की ओर से अगले पांच दिनों में प्रदेश भर में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार से पूरे प्रदेश में धीरे धीरे पारे का चढ़ना शुरू होगा। इसके साथ ही मंगलवार से अगले तीन दिन यानी नौ जून से 11 जून के दौरान उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों के लू की चपेट में आने की आशंका है। शनिवार को प्रदेश के बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में तपिश और तीखी धूप का प्रकोप रहा। वहीं पूर्वांचल और तराई के कुछ जिलों में सुबह बादलों की आवाजाही से साथ तेज हवाएं चलीं। शनिवार को झांसी 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा बांदा, उरई, फतेहपुर और वाराणसी में भी गर्मी का असर तीखा बना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब मौसम शुष्क रहेगा और तपिश भरे दिनों की वापसी होगी।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' डरे हुए हैं मोर '

फुफकारों का राज है,
जंगल में चहुंओर ।
नृत्य नागिनें कर रहीं,
डरे हुए हैं मोर ।
मस्त हैं नागराज जी ।

07 जून 2026

धीरू भाई का दो टूक

CMYK

पहले दिन केएल और गिल ने लगाया शतक

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू हुए एकमात्र टेस्ट मुकाबले के पहले दिन टीम इंडिया का प्रदर्शन शानदार रहा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ने पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 368 रन बनाए। स्टंप्स तक शुभमन गिल 103 और ऋषभ पंत 50 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण पेश करते हुए अफगानिस्तान के गेंदबाजों को लगभग पूरे दिन दबाव में रखा। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने टीम को सधी हुई शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। जायसवाल अच्छी लय में नजर आए और 32 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मोहम्मद सलीम की गेंद पर अफसर जजई ने कैच लपका। जायसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 139 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारतीय पारी को मजबूत आधार दिया। राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 165 गेंदों पर 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके शामिल रहे। यह उनके टेस्ट करियर का 12वां शतक रहा।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत तहसीलदार लालगंज, आजमगढ़
मु.नं. टी 202515060405762
धारा 35/207 उपरासं 2006

मिथिलेश बनाम शिवजस

बनाम– मिथिलेश देवी पत्नी राजमिलन साकिन कैथीशंकरपुर परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि **तजबीजसानीकर्त्ता** ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) निजामाबाद, आजमगढ़
न.मु. टी 202515060210843/2025
धारा 24 उपरासं 2006 मौजा मुहम्मदपुर

सुवाष बनाम गंगा प्रसाद आदि

बनाम–राजू पुत्र सम्हारू 2. नागराज पुत्र श्यामपत साकिनान जहानपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा सराय सैफ

हरिराम बनाम भंवरनाथ आदि

बनाम– शेषनाथ पुत्र रामदेव 2. सोनू पुत्र श्रीनाथ 3. महेन्द्र पुत्र रामवृक्ष 4. पारस पुत्र वासदेव साकिनान सराय सैफ परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 5. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत भगसड़ा मुस्तफाबाद परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा सराय सैफ

हरिराम बनाम भंवरनाथ आदि

बनाम– शेषनाथ पुत्र रामदेव 2. सोनू पुत्र श्रीनाथ साकिनान सराय सैफ परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 3. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत भगसड़ा मुस्तफाबाद परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत चकबन्दी अधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 9क (2) जो.च. अधि0 मौजा आराजी देवारा करखिया परगना व तहसील सगड़ी

राजकुमार पुत्र स्व. रामकवल शुक्ला 2. झिनका देवी पत्नी स्व. रामकवल शुक्ला साकिनान करखिया रूस्तम सराय परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —आपत्तिकर्तागण

बनाम

रमाकर 2. वीरेन्द्र 3. विमल पुत्रगण जीतनरायन 4. अजीत पुत्र स्व. रामबेलास 5. उषा देवी पत्नी स्व. रामबेलास 6. मनमोहन पुत्र रामनरायन 7. दिनेश 8. रमेश 9. सुरेश 10. मनोज पुत्रगण स्व. बृजराज 11. अरविन्द पुत्र तुफानी 12. कल्लू 13. विश्वनाथ 14. श्यामदुलारे पुत्रगण सरजू साकिनान करखिया रूस्तम सराय परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 15. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत आराजी देवारा करखिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 16. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी आजमगढ़। —उत्तरवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत चकबन्दी अधिकारी सगड़ी, आजमगढ़

राजकुमार पुत्र स्व. रामकवल 2. झिनका देवी पत्नी स्व. रामकवल साकिनान करखिया रूस्तम सराय परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —आपत्तिकर्तागण

बनाम

रमाकर 2. वीरेन्द्र 3. विमल पुत्रगण जीतनरायन 4. अजीत पुत्र स्व. रामबेलास 5. उषा देवी पत्नी स्व. रामबेलास 6. मनमोहन पुत्र रामनरायन 7. दिनेश 8. रमेश 9. सुरेश 10. मनोज पुत्रगण स्व. बृजराज 11. हौसिला पुत्र अवधेश 12. रविन्दर 13. विरेन्दर पुत्रगण श्यामनरायन 14. संजय पुत्र रामसिंगार 15. अनिल पुत्र रामनेवास पौत्र श्यामनरायन 16. पुष्पा पत्नी रामनेवास 17. सलाहुद्दीन 18. अलाउद्दीन पुत्रगण वाजिद अली साकिनान करखिया रूस्तम सराय परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 19. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत आराजी देवारा करखिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 20. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी आजमगढ़। —उत्तरवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी फूलपुर, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा अस्पतपुर

ओमप्रकाश बनाम कृष्ण कुमार

बनाम–कृष्ण कुमार पुत्र वंशराज 2. हंसराज पुत्र महाबीर 3. शम्भूनाथ पुत्र फूलचन्द 4. मेवती पत्नी फूलचन्द साकिनान जगदीशपुर परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत अस्पतपुर परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
मु.नं. टी 202615060111031 सन् 2026
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा महमूदपुर

चन्द्रप्रकाश पुत्र रामदवर साकिन किशुनपुर तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

नरेन्द्र देव 2. भीमप्रकाश पुत्रगण रामदेव 3. गुलाबो पत्नी रामदेव साकिन किशुनपुर तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत महमूदपुर परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
मु.नं. टी 202615060106553 सन् 2026
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा बसगीत

साधन बनाम प्रतिमा आदि

बनाम–शीला पत्नी जगरनाथ साकिन बसगीत परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
मु.नं. टी 202615060111030 सन् 2026
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा रायचक्रपानपुर

चन्द्रप्रकाश पुत्र रामदवर साकिन किशुनपुर तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

नरेन्द्र देव 2. भीमप्रकाश पुत्रगण रामदेव 3. गुलाबो पत्नी रामदेव साकिन किशुनपुर तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत रायचक्रपानपुर परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा महुआरी

अमरेश पुत्र स्व. विद्यासागर 2. सरोजनी बेवा विद्यासागर साकिनान मौजा महुआरी हाल मुकाम कम्हरिया तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

प्रेमसागर पुत्र बद्री साकिन महुआरी हाल मुकाम कम्हरिया तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 2. मदन 3. राधेश्याम 4. शशिकान्त 5. सुरेन्द्र 6. योगेन्द्र 7. संतोष पुत्रगण स्व. सुखसागर साकिनान महुआरी तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 8. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत महुआरी तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 29 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 209 ज उपरासं 2006 मौजा मिरिया रेड़हा

सर्वेश आदि बनाम दीपचन्द्र आदि

बनाम–अर्जुन पुत्र झूरी 2. कुसुम पत्नी रमेश 3. दीपचन्द्र 4. फिरतू पुत्रगण झूरी 5. रंजना 6. सुमन पुत्रीगण रमेश साकिनान मिरिया रेड़हा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार
न्यायालय ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही
मु.नं. 403 विवाह पुर्नस्थापन सन् 2025

रवि सिंह उम्र करीब 29 वर्ष पुत्र अमरजीत सिंह साकिन व पोस्ट दरवासी थाना कोईरोना तहसील ज्ञानपुर जनपद भदोही। —वादी

बनाम

अमिता सिंह उम्र करीब 23 वर्ष पत्नी रवि सिंह साकिन व पोस्ट दरवासी थाना कोईरोना तहसील ज्ञानपुर जनपद भदोही हाल मुकाम पुत्री श्री धनराज सिंह साकिन कनैली पोस्ट कनैली सरायआकिल जिला कौशाम्बी।—वादिनी

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 18–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत प्रधान न्यायाधीश /परिवार
न्यायालय ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही
मु.नं. 583 भरण पोषण सन् 2024

श्रीमती मीता सरोज उम्र करीब 26 वर्ष पत्नी राकेश सरोज पुत्री कल्लू सरोज निवासी ग्राम हरिसिंहपुर थाना चील्ह जिला मिर्जापुर हाल मुकाम कारीगांव पोस्ट गोसाई बाजार थाना गोपीगंज जनपद भदोही। —वादिनी

बनाम

राकेश सरोज उम्र करीब 29 वर्ष पुत्र कलऊ सरोज निवासी हरिसिंहपुर थाना चील्ह जनपद मिर्जापुर। —विपक्षी

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 06 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 29–06–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश /परिवार न्यायालय ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह अमानत अपील
बअदालत उपजिलाधिकारी
ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही
मु.नं. टी 202416670400179/2024

उमराई देवी बनाम भरतलाल आदि

बनाम–महेन्द्र पुत्र अमरनाथ निवासी बनकट जमीमे छनौरा तालुका चौथार तहसील ज्ञानपुर जनपद भदोही। —प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिगरी इस मुकदमे में धनराशि में पेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 09 महीना 06 सन् 2026 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
मु.नं. डी 202615060705640
धारा 207 ज उपरासं 2006 मौजा सुगौती

बाबूराम बनाम ग्राम पंचायत

बनाम– रामप्रसाद पुत्र उथिराज साकिन सुगौती परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 26 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह अमानत अपील
बअदालत उपजिलाधिकारी
ज्ञानपुर भदोही, जनपद भदोही
मु.नं. टी 202416670400180/2024

उमराई देवी बनाम भरतलाल आदि

बनाम–महेन्द्र पुत्र अमरनाथ निवासी बनकट जमीमे छनौरा तालुका चौथार तहसील ज्ञानपुर जनपद भदोही। —प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिगरी इस मुकदमे में धनराशि मेंपेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 09 महीना 06 सन् 2026 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए। (आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़

रामबचन बनाम नवीन परती आदि

बनाम–परकेश पुत्र बेचन 2. वीरेन्द्र 3. रामनवल 4. सामू 5. रामू 6. रवीन्द्र पुत्रगण शोभा साकिनान तरछा परगना चिरैयाकोट तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत तरछा परगना चिरैयाकोट तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि **रामबचन** ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 25 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए। आज बतारीख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय।

—आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सदर, आजमगढ़
धारा 24 उपरासं 2006 मौजा सुहवल

चन्द्रिका बनाम चकमार्ग

बनाम– चन्द्रजीत पुत्र इनरमन साकिन सुहवल परगना मुहम्मदाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़, गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत सुहवल परगना मुहम्मदाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 06 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (जू.डि.) हवाली, आजमगढ़ द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
सक्सेशन वाद सं. 451/2026

रन्जू आदि बनाम सायलान

बनाम– रन्जू उम्र करीब 26 साल 2. विजय कुमार बिन्द उम्र करीब 22 साल पुत्रगण लालमन साकिनान केवटाना गली चन्द्रशेखर आजाद नगर कस्बा फूलपुर परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। —सायलान

अपने मृत को देयऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन् 1889 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए। चूंकि ने प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन किया है और सन् 2026 के 07 को 05 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिए नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र के सम्बन्ध में आपत्ति हो या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (जू.डि.) हवाली, आजमगढ़ में नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करे। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदक के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

05.07.2026 आपत्ति/निस्तारण
200 के के दिवस को दिनांकित।

आज्ञा से–
सिविल जज (जू.डि.) हवाली, आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा इमिलिया

श्रीकान्त आदि बनाम मिट्ठू आदि

बनाम– मिट्ठू पुत्र जगधारी 2. विजयनन्दन 3. सीताराम पुत्रगण बुद्धू साकिनान इमिलिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 4. अवधेश पुत्र बासू साकिन कुसड़ा आयमा तहसील मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत इमिलिया परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उपरासं 2006 मौजा अजमतगढ़

अमरजीत बनाम श्याम कुंवर आदि

बनाम– श्याम कुंवर 2. राम कुंवर पुत्रगण सीताराम 3. संतोष कुमार 4. अशोक कुमार 5. भारत भूषण पुत्रगण श्याम सुन्दर 6. सुभावती पत्नी श्याम सुन्दर 7. सुनैना पत्नी स्व. चन्द्रभूषण 8. शिवकुमार 9. राजकुमार पुत्रगण स्व. चन्द्रभूषण साकिनान अजमतगढ़ परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 10. नगर पंचायत बजरिये अध्यक्ष नगर पंचायत अजमतगढ़ परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
मु.नं. डी 202615060000989
धारा 30 (1) उपरासं 2006 मौजा मित्तूपुर

रामचन्दर आदि बनाम ग्राम पंचायत

बनाम– प्रशान्त चौहान पुत्र प्रहलाद चौहान 2. श्यामरथी पत्नी प्रहलाद चौहान 3. रामजन्म 4. सुबाष पुत्रगण बुद्धू 5. प्रविद पुत्र रमाशंकर 6. लालपत्ती पत्नी रामनयन 7. शम्भू 8. विश्वनाथ पुत्रगण बृजमोहन 9. लखेन्दर पुत्र जगमोहन 10. जिरिया पत्नी जगमोहन 11. राजकुमार पुत्र थारू 12. सूबेदार पुत्र विश्राम साकिनान मित्तूपुर परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 13. श्रीमती शान्ति पत्नी श्रीराम 14. श्रीमती लालती देवी पत्नी रामसमुझ साकिनान चकमेउवा परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़ हाल मुकाम मित्तूपुर परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 15. चम्पा देवी पत्नी सुरेन्द्र 16. शीला पत्नी रामअधार 17. अवधेश 18. राजेश 19. सुरेश 20. सोनी पुत्रगण रामअधार 21. मोनी नाबालिग उम्र करीब 16 वर्ष 22. खुशबू नाबालिग उम्र करीब 14 वर्ष 23. खुशी नाबालिग उम्र करीब 13 वर्ष समस्त नाबालिगान संरक्षिका माता शीला पत्नी रामअधार साकिनान मित्तूपुर परगना करियातमित्तू तहसील सदर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

गाजीपुर एनकाउंटर की होगी जांच-केशव मौर्य

प्रयागराज में डिप्टी सीएम ने कहा- क्राइम कंट्रोल के लिए सख्ती जरूरी, दोषी पाए जाने पर होगी कार्रवाई

प्रयागराज, 06 जून (देवव्रत संवाद)। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गाजीपुर एनकाउंटर मामले, विपक्ष के आरोपों, केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल और आगामी चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गाजीपुर एनकाउंटर से जुड़े सवालों पर सरकार गंभीर है। यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी सीएम केपी मौर्य ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को कई बार कठोर कदम उठाने पड़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी मामले में परिवार या अन्य पक्ष शिकायत करता है, तो उसकी जांच भी कराई जाती है।उन्होंने दोहराया कि गाजीपुर एनकाउंटर मामले की भी जांच होगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सपा को कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल और विपक्ष की ओर से बेरोजगारी व महंगाई पर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने जोर दिया कि जो वस्तुएं पहले विदेशों से आयात की जाती थीं, आज उनका निर्माण भारत में हो रहा है।उन्होंने

विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कुछ दल स्वयं 'बेरोजगार' हो गए हैं और इसी कारण सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य से सपा नेताओं की मुलाकात और गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग पर भी केशव मौर्य ने टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसे मुद्दे उठा रही है। उन्होंने गौ संरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाने को अनुचित बताया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सपा सांसद डिंपल यादव के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।इसके अतिरिक्त, 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा एक बार फिर प्रदेश में सरकार बनाएगी और पार्टी कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तैयारी में जुट चुके हैं।

मानसून गोवा तक पहुंचा, मप्र-छत्तीसगढ़ देर से पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। 3 दिन की देरी से आने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु को पार कर मानसून गोवा पहुंच गया है। मुंबई में भी इसके जल्द पहुंचने की संभावना है। फिलहाल पणजी, बेंगलुरु, सलेम, पंबन में मानसून के कारण तेज बारिश हो रही है।वहीं, केरलम में आज बारिश का रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है यहां अगले 24 घंटे में 20् से बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है। वायनाड-कासरगोड में स्कूल आज बंद रहेंगे। टूरिस्ट ट्रेकिंग स्पॉट पर जाने, पहाड़ी रास्तों पर रात में ट्रैवलिंग और पत्थर निकालने के काम पर रोक लगा दी गई है।3 दिन में मानसून असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल और बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। 10 दिन में यह बिहार, झारखंड और ओडिशा में आ सकता है। हालांकि, बाद में मानसून अटक सकता है।स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक ाानसून को आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक मजबूत सिस्टम की जरूरत होती है, जो फिलहाल मौजूद नहीं है।

सीबीएसई 12वीं की वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की अंतिम तारीख बढ़ायी गयी

नई दिल्ली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। बोर्ड के मुताबिक, यह फैसला छात्रों को ज्यादा समय देने और पोर्टल पर सामने आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए लिया है। सीबीएसई ने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। दूसरी तरफ बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस ने मामले जांच शुरू कर दी है। बोर्ड के अनुसार, 2 जून से शुरू हुए पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर पिछले तीन दिन में लगातार साइबर हमले किए गए, जिन्हें समय रहते रोक दिया गया।अधिकारियों के अनुसार, 4 जून तक पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल के जरिए कुल 70,433 आवेदन मिले हैं। इनमें 7,314 मार्क्स वेरिफिकेशन और 63,119 री-इवैल्यूएशन के आवेदन शामिल थे।

क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भारत और ब्रिटेन में हुआ समझौता

नई दिल्ली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। यूके की फॉरेन सेक्रेटरी येविड कूपर भारत के दौरे पर थी। जहां पर भारत और यूएई के बीच आपसी सहयोग के कई मुद्दों पर सहमति बनी है और कई सारे समझौते हुए हैं और इन सब समझौतों में सबसे बड़ा समझौता जो है वो हुआ है । क्रिटिकल मिनरल्स जो आपकी जेब में रखे स्मार्टफोन से लेकर सरहद पर तैनात सैनिकों की मिसाइलों तक में इस्तेमाल होती है। इसी को लेकर अब भारत और ब्रिटेन ने बड़ा कदम उठाया है जो कि चीन जैसे देश को चुनौती दे सकता है। दरअसल 4 जून 2026 को नई दिल्ली में भारत यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जरवेटरी यानी कि जीएससीओ का औपचारिक आगाज हो गया है। इस मौके पर भारत के केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और ब्रिटेन के विदेश सचिव यवेट कूपर मौजूद रहे। आपको बता दें कि ब्रिटेन की फॉरेन सेक्रेटरी भारत दौरे पर आई हुई थी और यह उनका आधिकारिक दौरा था। इस दौरे के दौरान भारत और यूके के बीच कई समझौते हुए हैं। जिनमें ब्रिटेन के फॉरेन सेक्रेटरी के दौरे का मुख्य मकसद इंडिया यूके विजन 2035 की पहली सालाना समीक्षा करना था। यह एक ऐसा व्यापक रोड मैप है जिसमें जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लंदन यात्रा के दौरान इसे बनाया गया था और अब इसी कड़ी में कूपर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बड़ी बातचीत की है और अलग से उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात भी की है। इस दौरे के दौरान इस फ्रेमवर्क पर चर्चा हुई और पांच मुख्य स्तंभ यानी कि विकास, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, रक्षा सुरक्षा और जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर इसके साथ ही शिक्षा पर विशेष रूप से चर्चा की गई है।

रुस ने भारत को दिया एस-400 की खेप

नई दिल्ली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। भारत के आसमान के इस बॉडीगार्ड ने ऑपरेशन संदूर में पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। बॉर्डर पार से पाकिस्तान का एक ड्रोन घुस नहीं पाया था। र400 सुदर्शन चक्र ने मुनीर की ड्रोन वाली साजिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया था। अब इसी एयर डिफेंस सिस्टम का चौथा सेट रूस ने भारत भेज दिया है और पाकिस्तान के पसीने छूट गए हैं। रूस पहले ही र400 के तीन स्क्वाड्रन 2 साल पहले भारत को पहुंचा चुका है। जबकि बाकी दो स्क्वाड्रन रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते देर से आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि र400 एयर डिफेंस सिस्टम का पांचवा स्क्वाड्रन अगले कुछ महीनों में भारत पहुंचने की उम्मीद है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल यानी डीएसी ने र400 के पांच और स्क्वाडों की खरीद को पहले ही मंजूरी दे दी है। बताया जा रहा है कि चौथे र400 को उत्तरी क्षेत्र में तैनात किया जाना था। लेकिन बदले सुरक्षा हालात के बीच इसकी तैनाती पश्चिमी मोर्चे पर किए जाने की चर्चा है। रक्षा अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान सीमा से जुड़े कुछ इलाकों में अतिरिक्त एयर डिफेंस कवरेज की जरूरत है। अगर ऐसा होता है तो पश्चिमी क्षेत्र में भारत का हवाई सुरक्षा कवच और मजबूत हो जाएगा। र400 सुदर्शन इतना खास क्यों है ? यह भी जान लीजिए।र400 रूस का बनाया गया एक अत्याधुनिक लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम है। भारत में इसे सुदर्शन नाम दिया गया है। यह लड़ाकू विमान ड्रोन क्रूज मिसाइल, बैलस्टिक मिसाइल और कुछ स्टिल्थ लक्ष्यों को भी निशाना बना सकता है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी लंबी दूरी और तेज प्रतिक्रिया क्षमता है। ं

वैष्णो देवी जा रही ट्रेन में हादसा, लुधियाना में 2 हिस्सों में बंटी

लुधियाना, 06 जून (देवव्रत संवाद)। लुधियाना रेलवे स्टेशन पर वैष्णो देवी जा रही 1200 यात्रियों से भरी ट्रेन का हादसा हो गया। यहां ट्रेन के स्लीपर कोच का टॉयलेट अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ टूट गया। जिसके बाद यह कोच अपने साथ वाले डिब्बे से अलग हो गया। धमाके जैसी आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। वह डिब्बे से बाहर आ गए। खुशकिस्मती की बात ये रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, ट्रेन लुधियाना से चली ही थी। अगर हाईस्पीड के दौरान यह हादसा होता तो यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन आज (शनिवार) तड़के ढाई बजे के बाद नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई। सुबह 8.47 बजे पर यह लुधियाना स्टेशन पर पहुंची।

चाइनीज कैमरों से भारत पर नजर रखेगा नेपाल चीन के इंटरनेट नेटवर्क का भी करेगा इस्तेमाल

पिथौरागढ़, 06 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तराखंड से लगी भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल ने चीन निर्मित थर्मल कैमरे लगाने शुरू कर दिए हैं। दावा किया जा रहा है कि ये कैमरे भारतीय सीमा के भीतर करीब 10 किलोमीटर तक की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने में सक्षम हैं। इतना ही नहीं, इन कैमरों के संचालन के लिए चीन के इंटरनेट नेटवर्क का इस्तेमाल होने की बात भी सामने आई है। ऐसे में भारतीय सीमा क्षेत्र की संवेदनशील सूचनाएं चीन तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।उत्तराखंड में भारत और नेपाल के बीच करीब 275 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। सीमा की सुरक्षा भारत की ओर से सशस्त्र सीमा बल (रइ) और नेपाल की ओर से आर्म्ड पुलिस फोर्स (अढऋ) के जिम्मे है। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल ने सीमा क्षेत्र

में अपनी सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को लगातार मजबूत किया है। इसी क्रम में गड्डा चौकी से लेकर कालापानी तक नई बॉर्डर आउट पोस्ट (इडढ) विकसित की जा रही हैं, जहां आधुनिक निगरानी उपकरणों की तैनाती की जा रही है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा क्षेत्र में बढ़ रही यह तकनीकी निगरानी भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विषय बन सकती है।

नेपाल सीमा पर लगाए जा रहे नाइट विजन थर्मल कैमरे चीन में निर्मित बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक इन कैमरों का संचालन चीनी इंटरनेट नेटवर्क के माध्यम से किया जाएगा। कैमरों की क्षमता दिन और रात दोनों समय लंबी दूरी तक गतिविधियों की निगरानी करने की है। सुरक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि यदि निगरानी तंत्र का डेटा चीन के सर्वरों या नेटवर्क से होकर गुजरता है तो भारतीय सीमा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील सूचनाओं की गोपनीयता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही वजह है कि इस परियोजना को केवल सीमा सुरक्षा नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सामरिक दृष्टि से भी देखा जा रहा है।

नेपाल लंबे समय से अपनी सीमा चौकियों को आधुनिक तकनीक से लैस करने की योजना पर काम कर रहा था। इसी उद्देश्य से वर्ष 2016 में नेपाल और चीन के बीच तकनीकी सहयोग को लेकर समझौता हुआ था। इसके बाद भारत-नेपाल सीमा पर कैमरे लगाने के लिए विभिन्न स्थानों का सर्वे कराया गया। नेपाल सरकार ने वर्ष 2019 में परियोजना के सर्वे, चयन और तकनीकी अध्ययन के लिए करीब एक करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की थी। झूलाघाट समेत कई सीमावर्ती क्षेत्रों में संभावित स्थानों का आकलन उसी समय कर लिया गया था।वर्ष 2020 में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर भारत-नेपाल के बीच विवाद सामने आने के बाद नेपाल ने सीमा क्षेत्र में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी थीं। नेपाल ने कालापानी से सटे छांगरू गांव में एपीएफ का बटालियन मुख्यालय स्थापित किया। इसके अलावा डुमलिंग, जौलजीबी, लाली, झूलाघाट, पंचेश्वर, रूपालीगढ़ और तातोपानी सहित कई स्थानों पर 15 से अधिक बॉर्डर आउट पोस्ट बनाई गईं। अब इन्हीं चौकियों को थर्मल कैमरों और अन्य हाईटेक निगरानी प्रणालियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे सीमा पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा सके।

बीजेपी विधायक गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट में दोषी करार

मुजफ्फरपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)।दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुजफ्फरपुर के साहिबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह को गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले में दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें हिरासत में लेने का आदेश दिए हैं। जबकि कोर्ट ने उनकी पत्नी पत्नी रेनू सिंह, राणा राजेश सिंह और रामेंद्र सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (भाग 2) और आर्म्स एक्ट की धारा-30 के तहत दोषी ठहराया गया है।यह मामला 31 दिसंबर 2018 को न्यू ईयर पार्टी के दौरान हुई फायरिंग से जुड़ा है। दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्थित एक फार्महाउस में जश्न के दौरान हर्ष फायरिंग से डॉ. अर्चना गुप्ता के सिर में गोली लग गई थी।घटना के बाद फतेहपुर बेरी पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज की गई थी। गंभीर रूप से घायल डॉ. अर्चना गुप्ता का इलाज चल रहा था, लेकिन 3 जनवरी 2019 को अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी।

भारत में घुस रहे बांग्लादेशियों को बीएसएफ ने सीमा से भगाया

कोलकाता, 06 जून (देवव्रत संवाद)।भारत ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अब निर्णायक और कठोर अभियान छेड़ दिया है। सीमा सुरक्षा बल, राज्य पुलिस और प्रशासनिक एजेंसियां मिलकर अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान, निगरानी और वापसी की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही हैं। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल के कूचबिहार, मेखलीगंज, चांगराबांधा, मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में जिस प्रकार की गतिविधियां सामने आई हैं, उससे स्पष्ट है कि भारत अब सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के मामले में किसी प्रकार की ढिलाई बरतने के पक्ष में नहीं है।हम आपको बता दें कि सीमा सुरक्षा बल ने हाल ही में कूचबिहार के मेखलीगंज क्षेत्र स्थित महानदी सीमा चौकी के पास दस बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराने की कोशिश को विफल कर दिया। बताया गया कि इन लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने तुरंत अतिरिक्त जवान तैनात कर सीमा पर निगरानी बढ़ा दी, जिससे घुसपैठ की यह कोशिश असफल हो गई। भारतीय जनता पार्टी के विधायक दधिराम राय ने भी सीमा क्षेत्रों का दौरा कर स्पष्ट कहा कि भारत की सीमा पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी घुसपैठिए को देश में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि बांग्लादेश अपने नागरिकों को वापस लेने से इंकार करता है तो इसका बोझ भारत नहीं उठा सकता।

गांगुली बोले-यूसुफ से ममता के लिए सांसदी छोड़ने नहीं कहा

कोलकाता, 06 जून (देवव्रत संवाद)।पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने आनंद बाजार पत्रिका की खबर का खंडन किया है। इसमें दावा किया गया था कि ममता बनर्जी ने सौरव से कहा है कि वह बहरामपुर से ळटउ सांसद यूसुफ पठान को सीट से इस्तीफा देने के लिए मनाएं, ताकि वे यहां से उपचुनाव लड़ सकें। गांगुली ने शनिवार को सभी मीडिया हाउस को लेटर जारी कर कहा कि वे बिना सत्यता जाने खबर पब्लिश ना करें। युसुफ पठान की जुड़ी खबर पब्लिश करने से पहले आरोपों की सत्यता की जांच की जानी चाहिए थी।उन्होंने लेटर में लिखा- 4 जून को अखबार में पब्लिश आर्टिकल में दावा किया गया था कि उन्होंने ममता का मैसेज क्रिकेटर से सांसद बने यूसुफ पठान तक पहुंचाया था। पठान से सांसदी छोड़ने को कहा, ताकि ममता बहरामपुर से उपचुनाव लड़ सकें। खबर में यह भी कहा गया था कि यूसुफ इस प्रस्ताव से सहमत नहीं थे।गांगुली ने लिखा, ह्यये सभी बातें पूरी तरह गलत हैं। ममता ने मुझे कभी भी यूसुफ तक कोई संदेश पहुंचाने के लिए नहीं कहा। न ही मैंने यूसुफ से इस तरह के किसी मैसेज को लेकर कभी संपर्क किया। मुझे राजनीति से कभी मतलब नहीं रहा।यूसुफ पठान गुजरात के वडोदरा के रहने वाले हैं। ममता ने उन्हें 2024 में बंगाल की बहरामपुर लोकसभा सीट से टिकट दिया। पठान ने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को 85 हजार वोटों से हराया था। अधीर उस सीट से लगातार 5 चुनाव जीत चुके थे। अधीर रंजन 2019 से 2024 तक लोकसभा में कांग्रेस सांसद दल के नेता था।

कश्मीर भारत का अंग है और रहेगा, पाकिस्तान इसमें दखल न दे-भारत

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को जमकर धोया

लंदन, 06 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में जम्मू और कश्मीर का जिक्र करने के लिए पाकिस्तान पर निशाना साधा और उसे याद दिलाया कि वैश्विक निकाय का हिस्सा होना एक बड़ी जिम्मेदारी है और यह पक्षपातपूर्ण और झूठे आख्यानों को फैलाने का मंच नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें पाकिस्तान को जवाब देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि देश ने ₹भारत के विशुद्ध रूप से आंतरिक मामले का अनुचित संदर्भ दिया था। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भारत के विशुद्ध आंतरिक मामले, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का अनावश्यक उल्लेख करने से मुझे जवाब देने के लिए विवश होना पड़ा है। पाकिस्तान ने अपने विभाजनकारी राजनीतिक हितों के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित मंचों का दुरुपयोग करने की अपनी विशिष्ट प्रवृत्ति को जारी रखने का निर्णय लिया है।

सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की उपस्थिति का दुरुपयोग, जिसमें कई गलत और भ्रामक संदेशों का प्रसार भी शामिल है, इस प्रति-उत्पादक दृष्टिकोण का प्रमाण है। मैं पाकिस्तान को याद दिलाना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य होना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह पक्षपातपूर्ण और झूठे बयान फैलाने का मंच नहीं है।

हरीश की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट' पर अपने संबोधन के दौरान जम्मू और कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद आई। अपने संबोधन के दौरान भारतीय राजदूत ने यह स्पष्ट किया कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। ₹पाकिस्तान के खोखले वादों और बयानबाजी से यह मूलभूत वास्तविकता नहीं बदलेगी।

अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर किया हमला

वॉशिंगटन डीसी, 06 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरुक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्सने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया।वहीं, मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की मिसाइल क्षमता काफी कमजोर हो गई है और उसके पास सिर्फ 21-22% मिसाइलें बची हैं।हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान ने अपनी 33 में से 30 मिसाइल साइट्स फिर से चालू कर ली हैं और उसके पास अब भी करीब 70% मिसाइल भंडार मौजूद है।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 48 घंटों में इजराइली हमलों में पांच फिलिस्तीनियों की मौत हुई है और 49 लोग घायल हुए हैं।

इजराइल करा रहा ट्रम्प सरकार की जासूसी, अमेरिकी रक्षा विभाग में गंभीर खुफिया खतरे का अलर्ट

वॉशिंगटन डीसी, 06 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिका और इजराइल के बीच ईरान को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस बीच अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) के भीतर यह चिंता बढ़ गई है कि इजराइल अमेरिकी अधिकारियों और ट्रम्प सरकार की अंदरूनी जानकारी जुटाने के लिए जासूसी की कोशिश कर रहा है। न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक दो मौजूदा और एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि पेंटागन की डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसीने हाल ही में इजराइल से जुड़े काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे का स्तर बढ़ाकर ह्यक्रिटिकलह्ण कर दिया है। यह एजेंसी का सबसे गंभीर अलर्ट माना जाता है। अमेरिका और इजराइल जैसे बेहद करीबी सहयोगियों के बीच ऐसा होना बेहद असाधारण माना जाता है। हालांकि इजराइल ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इजराइली दूतावास का कहना है कि वह अमेरिकी अधिकारियों की जासूसी नहीं करता और उसकी खुफिया एजेंसियां सहयोगियों नहीं, बल्कि दुश्मनों पर नजर रखती हैं।

काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे का स्तर बढ़ाने का सबसे ज्यादा असर उन अमेरिकी अधिकारियों पर पड़ सकता है जो इजराइल की यात्रा करते हैं या इजराइली अधिकारियों के साथ सीधे संपर्क में रहते हैं। हालांकि अमेरिका और इजराइल के बीच खुफिया जानकारी साझा करने का सहयोग फिलहाल जारी रहेगा।एक अमेरिकी अधिकारी ने ठइउ को बताया कि अमेरिका पहले से ही अपने सीनियर अधिकारियों की इजराइल यात्रा के दौरान खास सावधानी बरतता है। अमेरिकी अधिकारी इस दौरान अपने फोन-लैपटॉप का इस्तेमाल करने से बचते हैं।

इसकी जगह वे अस्थायी मोबाइल फोन और अलग कंप्यूटर का इस्तेमाल करते हैं। कई बार वे होटल के कमरों या ऐसी जगहों पर संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा करने से भी बचते हैं, जहां निगरानी का खतरा हो सकता है।इसकी वजह यह है कि इजराइली खुफिया एजेंसियां जानकारी जुटाने के मामले में काफी आक्रामक मानी जाती हैं।

मेहनत, लगन और संघर्ष की मिसाल बना रेवाड़ी का होनहार युवा

रेवाड़ी जिले के छोटे से गांव जाटी के होनहार युवा रितिक यादव ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिस पर न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा गांव, क्षेत्र और जिला गर्व महसूस कर रहा है। देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बोधगया के एमबीए कोर कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि सफलता बड़े शहरों, महंगे स्कूलों या विशेष संसाधनों की मोहताज नहीं होती। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और परिवार का सहयोग मिले तो कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

जाटी गांव के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी युवक ने आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त किया है। यही कारण है कि रितिक की सफलता आज पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

28 मार्च 2005 को अमन यादव और शुभलता देवी के घर जन्मे रितिक यादव बचपन से ही मेधावी, अनुशासित और अध्ययनशील छात्र रहे हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण परिवेश में हुई, जहां सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई के प्रति अपनी गंभीरता और लगन का परिचय दिया। शिक्षकों के अनुसार रितिक हमेशा से लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे और हर कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में पले-बढ़े रितिक के सामने भी वही चुनौतियां थीं जिनका सामना देश के लाखों ग्रामीण विद्यार्थियों को करना पड़ता है। लेकिन उन्होंने कभी परिस्थितियों को अपनी राह का रोड़ा नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने सपनों को जीवित रखा और लगातार मेहनत करते हुए आगे बढ़ते रहे।

उच्च शिक्षा के लिए रितिक ने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध दयाल सिंह महाविद्यालय से वाणिज्य विषय में स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

दिल्ली में अध्ययन के दौरान उनके व्यक्तित्व और दृष्टिकोण का व्यापक विकास हुआ। इसी दौरान उन्होंने प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का लक्ष्य निर्धारित किया और देश की प्रतिष्ठित कैट परीक्षा की तैयारी शुरू की।

कैट परीक्षा देश की सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में गिनी जाती है, जिसमें हर वर्ष लाखों अभ्यर्थी शामिल होते हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में रितिक यादव ने नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास के बल पर नवंबर 2025 में आयोजित कैट परीक्षा में 94 परसेंटाइल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आईआईएम बोधगया के एमबीए कोर कार्यक्रम के लिए हुआ।

जैसे ही उनके चयन की सूचना गांव जाटी पहुंची, पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने इसे गांव की सबसे बड़ी शैक्षणिक उपलब्धियों में से एक बताया। लोगों का कहना है कि रितिक ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण भारत के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों तक पहुंच सकते हैं।

रितिक अपनी सफलता का श्रेय सबसे पहले अपने परिवार को देते हैं। उनका कहना है कि उनकी दादी शकुंतला देवी ने हमेशा उन्हें मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन का महत्व समझाया। माता शुभलता देवी ने हर परिस्थिति में उनका मनोबल बढ़ाया, जबकि पिता अमन यादव ने शिक्षा के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया। उनकी बुआ ललिता देवी, चाचा प्रदीप और फुफेरे भाई विपिन यादव ने भी समय-समय पर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया।

रितिक अपनी सफलता का विशेष श्रेय अपने फूफा, वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक और चिंतक डॉ. राजेंद्र यादव ह्यआजादह्ण को भी देते हैं। उनका कहना है कि डॉ. आजाद ने सदैव उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। जीवन के विभिन्न चरणों में मिले उनके मार्गदर्शन ने रितिक के व्यक्तित्व निर्माण और आत्मविश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रितिक यादव की यह सफलता केवल एक विद्यार्थी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की बदलती तस्वीर का प्रतीक भी है। यह उपलब्धि बताती है कि आज गांवों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी जगह बना रहे हैं।

आज जाटी गांव का यह होनहार युवा आईआईएम बोधगया में अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरूआत करने जा रहा है। पूरे क्षेत्र को उससे भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है। लोगों का विश्वास है कि उच्च प्रबंधन शिक्षा प्राप्त करने के बाद रितिक यादव न केवल अपने परिवार और गांव का नाम रोशन करेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

रितिक की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह संदेश देती है कि मेहनत, लगन, अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के बल पर कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

यह संस्करण फीचर समाचार/विशेष लेख के रूप में तैयार किया गया है, जिसे अखबार, स्मारिका या वेब पोर्टल पर प्रकाशित किया जा सकता है।

दैनिक www.dainikdevvrat.in
देवव्रत
आजमगढ़, उ.प्र.
07 जून 2026, रविवार

खाद्य पदार्थों में मिलावट जघन्यतम अपराध, छोटी मछलियों को फंसा कर बड़े खिलाड़ी कर रहे हैं मौज

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं?

पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं।

पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है, अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं।

हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं।

शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं।

कैमरे की बींधती निगाहों से तंग विराट कोहली

• प्रदीन मैगजीन

विराट कोहली, क्रिकेट खेल की श्रेष्ठता और अधिकतम जश्न मनाने का प्रतीक, लगता है अब कैमरों की निरंतर बींधती आंख से तंग आ चुका है। आह, काश उन्हें एक पल के लिए भी उनकी लगातार पीछा करती नजरों से छुटकारा मिल पाता- नजरें जो उनकी निजी ज़िंदगी तक में ताका-झांकी और दखलअंदाजी करती है, यहां तक कि उनके प्रशिक्षण सत्रों तक में पीछा नहीं छोड़तीं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में, जिसमें उनकी संवेदनशील सोच और बेहतरीन वाक ?पटुता सामने आई, कोहली ने कैमरों की उन पर लगातार घूमती नजर से एक विनम्र अपील की : मेहरबानी कर मुझे अकेला छोड़ दो।

वह खिलाड़ी जो उस युग का प्रतिनिधित्व करता हो, जिसमें जीत मनाना वह उन्माद है जो आक्रामक, भयभीत करने वाली शारीरिक भंगिमा के जरिए पाया गया हो। कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने उनके अंतस को इतना परेशान कर डाला कि उन्हें इस प्रकार शिकायत करनी पड़ी। जब किसी खिलाड़ी की निजता में कैमरों की दखल देने वाली नजरें घुसपैठ करने लगें तो ऐसी नाराजगी होना जायज है।

जिस दौर में हम जी रहे होते हैं, उससे आकार पाते हैं। क्रिकेट के इतिहास में, जिस प्रकार इसके कप्तान खुद को दुनिया के सामने पेश किया करते थे, तो उनके बदलते व्यवहार का मामूली सा अध्ययन भी बहुत कुछ बता सकता है। आखिरकार, हम वही बनते हैं जो कुछ हमारे अंदर भरा जाता है। इतिहास के इस पहलू की ऐसी पड़ताल जाहिर तौर पर शौकिया है, जिसकी प्रेरणा अधिकांशतः कोहली की सच्ची अपील से मिली है।

सत्तर के दशक में, जब स्पिन के सरदार बिशन सिंह बेदी भारत की कप्तानी कर रहे थे, उस वक्त जीत मनाने का इजहार केवल एक हल्की-सी मुस्कान और हल्की ताली बजाकर किया जाता। तब, हर जगह पीछा करने वाली कैमरों की प्रवृति अपनी शैशवास्था में थी, और लोग अपने हीरो को पहचानने के लिए ज्यादातर छपी हुई तस्वीरों पर ही निर्भर थे। यहां तक कि सत्तर के दशक की यह सहज हल्की-सी मुस्कान भी बीते दशक के मंसूर अली खान पटौदी के भावशून्य व करीब अबूझ व्यक्तित्व से नाटकीय रूप में अलग थी।

सुनील गावस्कर द्वारा व्यावहारिक दूरी बनाए रखना, कपिल देव के जमीन से जुड़े उपदेश-भारतीय कप्तानों की लंबी कतार एक ऐसे दौर से जुड़ी थी जहां प्रदर्शनबाजी कम थी; यह कैमरों की दखलअंदाजी करती नजरें धारदार होने से पहले का दौर था। आज के उलट, वह एक बदलाव का दौर था, जब जीत की अभिव्यक्ति गरिमापूर्ण और शांत तरीके से करना आम बात थी—जो आज के दौर में किसी पुरातन युग के अवशेष जैसा है।

सचिन तेंदुलकर ने संकोची और अंतमुर्खी मोहम्मद अजहरुद्दीन से कप्तानी संभाली थी और जब तक सौरव गांगुली को सौंपी, तब तक सार्वजनिक नजरों का देखने का ढंग बदलने लगा था, जो धीरे-धीरे और ज्यादा दखल देने वाली होती जा रही थीं। कम बोलने वाले तेंदुलकर ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जहां लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखने से उनके प्रति सम्मान और भी गहरा हो जाता था। वह क्रिकेट की दुनिया के बाहर अपनी निजी ज़िंदगी के बारे में बहुत कम बातें बताते थे; एक बेहद निजी और एकांत पसंद व्यक्तित्व, जिसका कम बोलना उनके कद और लोकप्रियता को और भी बढ़ा देता। मीडिया से बात करने में उनकी हिचकिचाहट एक ऐसे इंसान की छवि दशार्ती थी जो उन लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करता था जिन पर उसे भरोसा न हो, फिर भी वह उन्हें नाराज न करने का पूरा ध्यान रखते थे। बींधने वाले कैमरे उस समय देर से आए, तब तेंदुलकर के नाम का वजन ही इतना ज्यादा हो चुका था कि उसका बोझ सिर्फ.वही उठा सकते थे। एक तरह से, उनके व्यक्तित्व का ओज आस-पास के माहौल को इतना शालीन कर देता था कि वह सबको उनकी निजता में दखल न देने की सावधानी बरतने के लिए मजबूर कर दे।

मुखर स्वभाव वाले सौरव गांगुली को इसकी कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचेगी, और उन्हें अपनी निजी और सार्वजनिक ज़िंदगी के बीच की सीमाएं मिटाने में आनंद आता था। उन्होंने विवादों का सामना किया और यहां तक कि उन्हें बनाया भी, लेकिन खुद को उनसे ज्यादा परेशान हुए बगैर। बदलते समय में, बाहरी शोर-शराबे से खुद को बचाने के लिए मोटी खाल होना जरूरी हो गया, वह खूबी जिसकी कमी शायद उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ में थी। द्रविड़ तो खैर अपने शानदार रिकॉर्ड बनाने में ही पूरी तरह मग्न रहे। उनके लिए कप्तानी परेशानी का सबब थी, और इसके थकाऊ प्रबंधकीय पहलू से धीरे से दूर हट गए।

लगता है महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी सहजता से उस ह्यराक्षसह्ण के खतरनाक इरादों को बूझ लिया था, जोकि कैमरा बनता जा रहा था। उन्होंने इसकी चुभती मौजूदगी को कुंद और बेअसर करने के लिए एक तरीका ईजाद कर लिया। बोलने का सधा हुआ और नपा-तुला अंदाज—जो अक्सर चुप्पी धारण करने के करीब होता था—उनकी शख्सियत का अहम हिस्सा बन गया। जो लोग किसी कहानी या विवाद की फिराक में रहते थे, मानो किसी जादू की तरह, खुद छिटक जाते। उनका कम बातूनी किंतु मिलनसार स्वभाव, जो शोर-शराबे वाले माहौल को भी चुप करवा दे, इसका बेहतरीन उदाहरण रहेगा कि बिना दुश्मन बनाए दूरी कैसे रखी जाती है।

ऊंची आवाज, भावनात्मक उदगार और दबी नाराजगी के खुलकर इजहार के बाद जो कुछ आया वह कोहली की हताशा को परिभाषित करने वाला है—और आश्चर्यजनक रूप से उनके जश्न मनाने के अंदाज को भी—उसमें परिणति का अहसास होना बदा था। रोहित शर्मा एक ऐसी भूमिका में ढले, जिसको आकार व्यवहार के तौर-तरीकों के लंबे इतिहास से मिला, वह जिन्हें आधुनिक क्रिकेट न केवल बढ़ावा देता है बल्कि उनका सामान्यीकरण भी करता है। रोहित उस स्कूल मास्टर की तरह थे, जो ऊपर से सख्त होने का दिखावा करता है, लेकिन दिल से एक प्यारा इंसान होता है; अपने खिलाड़ियों को दीं उनकी झिड़कियां कभी भी बदनीयत नहीं लगीं।

अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने की कोशिश करने और आखिरकार एक आदर्श एवं मशहूर हस्ती के तौर पर खुद को स्थापित करने के मुकाम तक—एक सफल खिलाड़ी कभी यह मंजिल एक तयशुदा लीक पर चलकर पाता था। लेकिन, आज के दौर में, ऐसा रास्ता बहुत सपाट, बेमजा लगता है। यह न तो किसी को रोमांचित करता है और न ही लोगों का ध्यान खींचता है। क्रिकेट का मैदान अपने आप में और भी विस्तृत हो गया है। निजता अब सार्वजनिक है और सार्वजनिकता निजता है। यह मुकाबला अब उत्तरोतर एक नाटक की तरह होता जा रहा है, जिसमें मुख्य कलाकारों को सिर्फ.खेल के मैदान पर ही नहीं, बल्कि उसके बाहर भी 'रील-मेकर' बनकर अभिनय करना पड़ता है।

जब काफी संवेदनशील और अपनी बात को बेहतर ढंग से रखने वाले कोहली निजता और मीडिया की निरंतर दखल देती नजरों से बचने की जरूरत के बारे में बात करते हैं, तो शायद वे उस बड़ी सच्चाई के बारे में बात करना भूल गए, जिसे खुद आधुनिक खेलों के बाजारीकरण ने ही पैदा किया है। उसके लिए, वह एक ऐसी आकर्षक हस्ती हैं, जिनकी उपलब्धियां, नखरे और यहां तक कि गुस्से से भरे उनके अंदाज भी, एक चुंबक की तरह काम करते हैं, दर्शकों और कैमरों, दोनों को एक समान अपनी ओर खींचते हैं। तो क्या हुआ अगर वे अब मीडिया की दखलअंदाजी से तंग आ गए हैं? नाटक और नाटकीयता के प्रति हमारी भूख इस कदर बढ़ गई है कि अगर कोहली न भी होते, तो हम उन जैसा गढ़ लेते।

भाजपा की मारकाट के बीच अन्नामलाई की अंगडाई

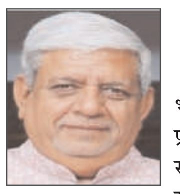

• राकेश अचल

देश में क्षेत्रीय दलों को नेस्तनाबूत करने पर आमादा भाजपा से छोड-छुट्टी करने वाले तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने अंततः भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनीतिक संगठन 'वी द लीडर्स' की शुरूआत की है. इससे साबित हो गया है कि देश में क्षेत्रीय दलों का बनना, बिगडना जारी रहेगा.

कुल 42 साल के अन्नामलाई कुप्पुस्वामी सत्ता की मलाई हासिल करने के लिए अब खुद नयी अंगडाई ले चुके हैं.वो भी भाजपा के चाणक्य केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से टकराने के बाद.उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी.

अन्नामलाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मोहन में पिछले 7 साल से थे. भाजपा ने इस होनहार युवक को भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष भी बना रखा था. अन्नामलाई ने दिन-रात एक कर तमिलनाडु में भाजपा के लिए जगह बनाई, भाजपा का वोट प्रतिशत भी बढाया लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में टीवीके के तलापति विजय की प्रचंड लोकप्रियता से वे समझ गए कि तमिलनाडु में भाजपा के साथ खडे रहकर उन्हे भविष्य में कुछ हासिल होने वाला नहीं है.

अन्नामलाई उच्च शिक्षा प्राप्त हैं. आईपीएस के लिए चुने गए थे लेकिन मोदीजी के सम्मोहन में आकर वे नौकरी छोड राजनीति में आ गए.सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में के. अन्नामलाई ने कहा कि उनका यह फैसला उस मिशन को आगे बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित है, जिसने उन्हें शुरू में सार्वजनिक जीवन में आने के लिए प्रेरित किया था.

अन्नामलाई ने पहली बार कहा कि वह अपने राज्य तमिलनाडु

में सकारात्मक बदलाव लाने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन अब उन्होंने एक अलग राजनीतिक रास्ता चुना है. के. अन्नामलाई पिछले साल दिसंबर 2025 से ही भाजपा के नागपुरिया अनुशासन में असहज अनुभव कर रहे थे. चूकि वे शाखामृग नहीं थे इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ने के अपने इरादे पहले ही जाहिर कर दिए थे. भले आदमी हैं सो भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुरोध पर वे औपचारिक रूप से पद छोड़ने से पहले तमिलनाडु चुनाव तक पार्टी के साथ बने रहे.

हकीकत ये है कि अन्नामलाई के मन में यह बड़ा द्वंद्व पहले दि से था था कि वे भाजपा के हैं या तमिल. अन्नामलाई चाहते थे कि भाजपा को 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अकेले लड़ना चाहिए, लेकिन भाजपा हाईकमान ने ये बात नही मानी.अन्नामलाई ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम के साथ गठबंधन के लिए उत्सुक थे.उन्होंने कहा कि वह पार्टी के लिए कोई समस्या नहीं बनना चाहते थे और इसलिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया.

भाजपा और मोदीजी के मोहपाश से आजाद अनन्नामललाई ने 'वी द लीडर्स' की शुरूआत की घोषणा करते हुए कहा कि वह और नया संगठन दोनों ही राज्य में आगामी चुनाव लड़ेगे. उन्होंने कहा कि वह तमिलनाडु की पहचान और आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए अपने लिए एक नया रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

तमिलनाडु में अन्नामलाई को सत्ता की मलाई हासिल करने के लिए अभी पूरे पांच साल इंतजार करना पडेगा. देखना पडेगा कि वे अकेले तलापति विजय के जादू को तोड सकेंगे या नहीं? अन्नामलाई इस समय दो राहे पर हैं. वे भाजपा के साथ 7 साल रह लिए. कांग्रेस में वे जाएंगे नहीं. चले जाएं तो लाभ में रहेंगे. लेकिन वे डीएमके से लडना चाहते हैं ऐसे में वे एआईडीएमके के साथ ज्यादा सुखी रहेंगे.

बहरहाल अन्नामलाई के साहस के लिए बधाइयां बनती हैं. वे भाजपा विरोधी अभियान का एक नया खंड बन गए हैं जो समझ चुका है कि भाजपा क्षेत्रीय दलों की ही नहीं जेन जी को भी ज्यादा बर्दास्त नहीं करती.

सिने जगत

नेहा कक्कड के पिता बेचते थे समोसा, 4 साल में जगराता गाया, वैन में सोई

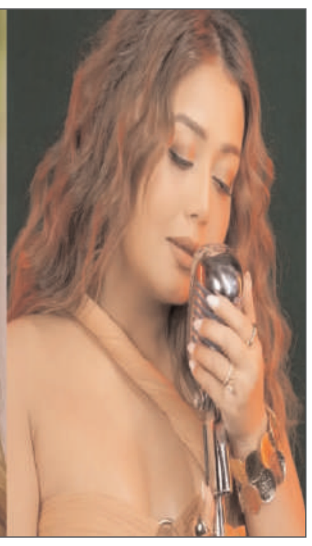

नेहा कक्कड़ का जन्म ऋषिकेश के बेहद गरीब परिवार में हुआ। तीन भाई-बहनों में नेहा सबसे छोटी थीं। सोनू कक्कड़ (सिंगर) और टोनी कक्कड़ (सिंगर-कंपोजर) उनसे बड़े थे। पिता के पास गुजारे के लिए कोई पक्की नौकरी नहीं थी। वो पत्नी निती कक्कड़ और 3 बच्चों के साथ ऋषिकेश के एक 10 बाय 10 के किराए के कमरे में रहते थे। गरीबी का वो आलम था कि घर में किचन तक नहीं था। मां उसी कमरे में एक टेबल रखकर उस पर खाना पकातीं। उसी कमरे में सब उठते-बैठते, सोते, खेलते। नेहा महज 4 साल की थीं, जब पिता रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली शिफ्ट हो गए। वो एक छोटे से स्कूल के बाहर समोसे बेचने लगे। बड़ी बहन सोनू उसी स्कूल में पढ़ती थीं। स्कूल में पिता के काम के चलते उनका जमकर मजाक बनाया जाता था, जिससे वो काफी रोती थीं। परिवार का गुजारा मुश्किल होने लगा, तो पिता ने बड़ी बेटी सोनू कक्कड़ के साथ जगराते में गाना शुरू कर दिया। पिता को लिखने का शौक था, तो वो खुद जगराते के लिए गाने लिखा करते थे। समय के साथ भाई टोनी और फिर 4 साल की उम्र में नेहा ने भी पिता की आर्थिक मदद करने के लिए जगराते में गाना शुरू कर दिया। पूरा परिवार रिक्शे से जगराता करने जाता था। हर जगराते के उन्हें 500 रुपए तक मिलने लगे और घर के हालात भी बेहतर हो गए। समय के साथ पिता ने ट्रेवलिंग के लिए एक वैन ले ली। जब भी कभी रातभर जगराता होता, तो पिता वैन के पीछे वाली सीट खोलकर वहीं बच्चों के लिए गद्दे बिछा देते थे, जिससे बच्चों को आराम मिल सके। कभी चंद रुपयों के लिए अपना बचपन खोने वालीं नेहा कक्कड़ 38 साल की हो चुकी हैं और सिंगिंग स्टार हैं। नेहा के बर्थडे के खास मौके पर एक नजर उनकी जिंदगी की प्रेरणादायक कहानी पर-इंडियन आइडल के एक एपिसोड में बचपन के दिनों को याद कर नेहा ने कहा था-मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू किया। उस समय कोई टाइम लिमिट नहीं होती थी। जगराते कभी-कभी रात से शुरू होकर सुबह तक चलते थे और हम लगातार गाते थे। लोग हमारी तारीफ तक नहीं करते थे, कई बार तो ऐसा भी हुआ, जब हम रातभर गाने के चलते स्कूल नहीं जा सके।

नेहा कक्कड़, भले ही पढ़ाई से दूर रहीं, लेकिन शरारत में अव्वल थीं। सोनू उनसे बड़ी थीं, लेकिन टोनी से उम्र का फासला कम होने पर दोनों खूब झगड़ते थे। कपिल शर्मा शो में आए कक्कड़ भाई-बहनों ने बताया कि एक बहस के बाद नेहा ने भाई टोनी की जांघों पर पैन से ऐसा हमला किया कि आधा पैन उनकी जांघ में घुस गया था।

नेहा कक्कड़ ने महज 5 साल की उम्र में ऋषिकेश में होने वाले एक म्यूजिकल कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया। उस कॉम्पिटिशन में कोई एज लिमिट नहीं थी, तो 5 साल की नेहा को 16-17 और उससे भी बड़े लोगों के साथ कंपीट करना पड़ा। नन्ही सी नेहा ने तब नई-नई आई फिल्म फूल और कांटे का गाना मैंने प्यार तुम्ही से किया है गाया था। नेहा ने अपनी मधुर आवाज से बड़ों को न सिर्फ कड़ी टक्कर दी, बल्कि वो कॉम्पिटिशन भी जीता। आगे वो शादियों और इवेंट में भी गाने लगीं एक बार नेहा-सोनू को एक बड़े जागरण में गाने का मौका मिला, जिसमें उनसे ठीक पहले आशा भोसले ने परफॉर्मेंस दी थी।

समय के साथ नेहा-सोनू को भजन संध्या और जगराता के काफी काम मिलने लगे। वो दिल्ली, ऋषिकेश के अलावा भी चंडीगढ़ समेत नॉर्थ के कई शहरों में परफॉर्म करने जाती थीं, जिससे उनकी पढ़ाई ठीक तरह नहीं हो पाती थी। बच्चों की कमाई से ही एक समय घर चलने लगा, जिसके चलते आस-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार उनके पेरेंट्स को काफी ताने देते थे। दिल्ली में गायिकी में मजबूत पकड़ बनाने के बाद बड़ी बहन सोनू कक्कड़ ने 2003 में मुंबई के सिंगिंग रियलिटी शो पॉपस्टार जीता। उस शो के जज संदीप चौटा को सोनू की आवाज इतनी पसंद आई कि उन्होंने शो खत्म होते ही उन्हें ऑफिस बुलाकर, फिल्म दम का गाना बाबू जी जरा धीरे चलो ऑफर कर दिया।

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने क्या हैं?

• कमलेश पांडे

राहुल गांधी की ₹आर्थिक सुनामी₹ वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं—विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं—जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं।

भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते।

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में ॠ्रीं३ ऊस्र१ीर२२ङ्क्ल्ल (1930 का दशक) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है।

किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे—वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की

अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं— जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं—जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न।

इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो ₹पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी₹ या ₹कभी नहीं आएगी₹— दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यतः नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर।

आर्थिक सुनामी₹ एक रूपक है, जिसका अर्थ है ऐसा व्यापक और तीव्र आर्थिक संकट जो समाज, बाजार, उद्योग, रोजगार और सरकार की वित्तीय स्थिति को एक साथ प्रभावित कर दे। जिस प्रकार समुद्री सुनामी अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को झकझोर देती है, उसी प्रकार आर्थिक सुनामी भी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों पर गहरा असर डालती है। आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट। आठवां, ऋण वसूली की समस्या बढ़ती है। नौवां, बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव आता है। दसवां, मुद्रा और महंगाई पर असर। दसवां, राष्ट्रीय मुद्रा कमजोर हो सकती है। ग्यारहवां, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। बारहवां, व्यापार और उद्योग में मंदी। तेरहवां, उत्पादन घटता है। चौदहवां, निवेशक नए निवेश से बचते हैं।

आर्थिक संकट केवल आर्थिक नहीं होता, बल्कि इसके राजनीतिक परिणाम भी होते हैं—पहला, सरकार की लोकप्रियता प्रभावित हो सकती है। दूसरा, विपक्ष को सरकार की नीतियों पर हमला करने का अवसर मिलता है। तीसरा, सामाजिक असंतोष और जनाक्रोश बढ़ सकता है। चौथा, चुनावी परिणामों पर असर पड़ सकता है। जहां तक भारत के संदर्भ में इसकी बात है तो भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था में ₹आर्थिक सुनामी₹ का अर्थ होगाकृ विकास दर में तीव्र गिरावट, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश और उपभोग में कमी, राजकोषीय दबाव, तथा आम नागरिकों की क्रय शक्ति पर नकारात्मक प्रभाव। हालांकि भारत की विशाल घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र, कृषि आधार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार जैसी ताकतें ऐसे संकटों के प्रभाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकती हैं।

जहां तक राहुल गांधी की आशंका के राजनीतिक मायने का सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि आर्थिक मुद्दों को चुनावी केंद्र में लाने की कोशिश कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय और छोटे कारोबारों की समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है। ₹आर्थिक सुनामी₹ जैसी अभिव्यक्ति इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा सकती है। वैसे भी मोदी सरकार के आर्थिक मॉडल पर सीधा हमला राहुल गांधी लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि वर्तमान आर्थिक व्यवस्था बड़े कॉरपोरेट समूहों के पक्ष में झुकी हुई है। यह बयान उसी राजनीतिक विमर्श को आगे बढ़ाता है।

वहीं वैश्विक संकट को घरेलू राजनीति से जोड़ना पश्चिम एशिया में तनाव, तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को विपक्ष सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। कुलमिलाकर 2029 के राजनीतिक नैरेटिव की तैयारी में कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि यदि भविष्य में आर्थिक कठिनाइयाँ बढ़ती हैं तो उसने पहले ही चेतावनी दी थी। वहीं भाजपा इसे ₹भय फैलाने की राजनीति₹ बताकर अपनी आर्थिक उपलब्धियों को सामने रख रही है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि आर्थिक सुनामी का वास्तविक मायने केवल आर्थिक आंकड़ों का बिगड़ना नहीं, बल्कि आम आदमी की आय, रोजगार, बचत, व्यापार और जीवन-स्तर पर एक साथ पड़ने वाला व्यापक नकारात्मक प्रभाव है। यही कारण है कि जब कोई राजनीतिक नेता या अर्थशास्त्री ₹आर्थिक सुनामी₹ की चेतावनी देता है, तो उसका आशय संभावित बड़े आर्थिक और सामाजिक झटके से होता है।

यूपीआई के माध्यम से 2.76 लाख की साइबर धोखाधड़ी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 06 जून (देवव्रत संवाद)। दिनांक 08.05.2026 को वादी दिनेश निषाद पुत्र राजकुमार निषाद ग्राम पुरवाँ नादी पोस्ट नादी निधौरा थाना बलुआ जनपद चन्दौली द्वारा तहरीर दिया गया कि मेरा खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा रामगढ़ में है।मैं दिनांक 13/09/2021 को दुबई चला गया था। दिनांक 18/04/2026 को दुबई से वापस इण्डिया में आया।जब मैं दुबई से वापस आया था तो केवाईसी अपडेट करने के लिए बैंक में गया तो पता चला कि इस नम्बर से 731831 जोड़ कर बैंक द्वारा यूपीआई बनाकर मेरे अनुपस्थिति में बैंक द्वारा मेरे अकाउंट से अज्ञात व्यक्ति का मोबाइल जोड़कर इस नम्बर से यूपीआई बनाकर भिन्न-2 तिथियों में कुल 276362.50 रुपए निकाल लिया गया है।जबकि मेरे द्वारा यूपीआई बनाने के लिए एटीएम उपलब्ध नही करवाया गया है। वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 126/26 धारा 319(2)/318 (4)/338 /336(3)/340 (2) बीएनएस व 66ऊ आईटी एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में थानाध्यक्ष बलुआ अरूण प्रताप सिंह व साइबर सेल प्रभारी मिर्जा रिजवान बेग के कुशल नेतृत्व में निरीक्षक सलिल स्वरूप आदर्श अतिरिक्त निरीक्षक धानापुर जनपद चन्दौली मय टीम मु0अ0सं0 126/26 धारा 319(2)/318(4)/3 38/336 (3)/ 340(2) बीएनएस व 66डी आईटी ऐक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त विशाल पटेल पुत्र राकेश पटेल निवासी ग्राम रायपुरकला थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को उक्त धोखाधड़ी से सम्बन्धित अभियुक्त को सकलडीहा जाने वाले टैक्सी स्टैण्ड के पास थाना मुगलसराय जनपद चन्दौली से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त द्वारा बताया गया कि मैंने एक सिम नवम्बर 2025 में जिसका मोबाइल नम्बर 7318317777 है अपने नाम से लिया था उक्त मोबाइल से कूटरचित ढंग से फोन पे यूपीआई आईडी तैयार किया व कूटरचित ढंग से पिन भी बनाया तत्पश्चात ट्रायल के रूप में अपने एकाउन्ट में एक रुपया जमा किया जिससे उस एकाउन्ट में 1 रुपए की वृद्धि हुई पुनःरीचेक के लिये अपना खाता बताकर एक दूसरे व्यक्ति से पुनः 1 रुपये डलवाया जो सफल रहा।जब मुझे पूर्ण विश्वास हो गया कि मेरा फोन-पे काम कर रहा है तो उस फोन से अपने खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व खाता संख्या यूको बैंक के खाते में मैंने लगभग 30 हजार रुपये डालकर निकाल लिया पुनःसतर्कता के दृष्टिकोण से अपने जानने वाले अकबर खान सीएससी वाले, शंकर लाल,अंकित पटेल,आशीष कुमार के खाते में बहाना बनाकर पैसा डालकर निकाल लेता था।मैंने लगभग 2,62,000 रुपये निकाला था जिससे मैंने अपना मकान बनवा लिया व जरुरत का सामान खरीद लिये थे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अरूण प्रताप सिंह थाना बलुआ जनपद चन्दौली,उ0नि0 मिर्जा रिजवान बेग प्रभारी साइबर सेल जनपद चन्दौली ,निरीक्षक सलिल स्वरूप आदर्श अतिरिक्त निरीक्षक (विवेचक)थाना धानापुर जनपद चन्दौली,उ0नि0 जमीलुद्दीन खान थाना बलुआ जनपद चन्दौली,उ0नि0 अभिषेक शुक्ला साइबर सेल जनपद चन्दौली,हे0का0 पवन कुमार साइबर सेल जनपद चन्दौली व का0 मनोज चौहान साइबर सेल जनपद चन्दौली मौजूद रहे।

कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के आरोपों में थाना अलीनगर पर नियुक्त उपनिरीक्षक निलंबित

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 06 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चन्दौली आकाश पटेल द्वारा कर्तव्यों के प्रति स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता एवं उच्चाधिकारीगणों के आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में एक उप-निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।थाना अलीनगर पर तैनात उपनिरीक्षक ना०पु० वीरेन्द्र यादव के विरुद्ध प्राप्त आख्या एवं प्रथम दृष्टया संज्ञान में आया कि उनके द्वारा कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने, अपराध नियंत्रण एवं विवेचनात्मक कार्यों में अपेक्षित कार्रवाई न करने तथा गंभीर घटनाओं के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को समय से अवगत न कराने के आरोप पाए गए हैं।थाना अलीनगर अन्तर्गत दिनांक 28.05.2026 को स्वर्ण व्यवसायी के साथ लूट की घटना में जांच में यह तथ्य सामने आया कि उसी दुकान में कुछ दिन पहले टप्पेबाजी हुई थी।इसके संबंध में सूचना होने के बाद भी इन उपनिरीक्षक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई।एक युवती द्वारा सुसाइड नोट छोड़ कर गायब होने के सम्बंध में लगभग दो माह तक प्रकरण लंबित रहने के बाद भी इनके द्वारा ठीक से जांच नहीं की गई।जबकि उक्त युवती की गुमशुदगी वाले दिन ही थाना रामनगर वाराणसी में मृत्यु हो गई थी।

इनके द्वारा भ्रामक रूप से अधिकारियों को अवगत भी कराया गया था कि आस पास के जनपदों में अज्ञात शवों के सम्बंध में जानकारी कर ली गई है।इनकी इस लापरवाही के कारण परिवार को बिना जानकारी हुए युवती का अज्ञात शव के रूप में अंतिम संस्कार हुआ।मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपों की गंभीरता के दृष्टिगत उप-निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा उनके विरुद्ध विभागीय जांच आसन्न की गई है।निलंबन अवधि के दौरान वह पुलिस लाइन,चन्दौली से सम्बद्ध रहेंगे।पुलिस अधीक्षक चन्दौली ने स्पष्ट किया है कि जनता की शिकायतों पर तत्काल और उचित कानूनी कार्रवाई न करना तथा कर्तव्यों के प्रति अनुशासनहीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।पुलिस की छवि को धूमिल करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

सम्पूर्ण समाधान तहसील ज्ञानपुर में डीएम व एसपी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर किया निस्तारण

भदोही , 06 जून (देवव्रत संवाद)। शासन के मंशानुरूप जनशिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत सम्पूर्ण समाधान दिवस जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, सीएमओ डॉ संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भानसिंह, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 शुभांगी शुक्ला, उप जिलाधिकारी अरुण गिरि अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुन कर निस्तारण किया गया।सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में लगायें गये विभिन्न कैम्पो- बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था

पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्ययन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये।तहसील ज्ञानपुर में डीएम व एसपी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न विभागो से सम्बन्धित तहसील ज्ञानपुर में फरियादियो के द्वारा कुल 37 समस्याओ से अवगत कराया गया।जिसमें से जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा 04 प्रार्थना पत्रो को मौके पर ही निस्तारित करते हुये शेष 33 प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियो को निर्धारित समय सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कई मामलों में शिकायतकताओं की संतोषजनक आख्या प्राप्त नहीं हो रही है, जिसके कारण प्रकरणों को पुनः विस्तारित जांच हेतु संबंधित अधिकारियों को वापस भेजा जा रहा है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यायालय में विचाराधीन मामलों को छोड़कर शेष शिकायतों का निस्तारण आपसी सहमति, निष्पक्ष जांच एवं तथ्यों के आधार पर किया जाए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

मीरजापुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। पाल्क संस्था द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए गैबी घाट पर चलाये जा रहे निःशुल्क समर कैम्प में 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने न केवल आकर्षक पेड़ों के चित्र बनाए, बल्कि पर्यावरण में पेड़ों के महत्व और उनकी विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ. मंजू यादव (जिला मिशन को-ऑर्डिनेटर, महिला कल्याण विभाग, मीरजापुर) और विशिष्ट अतिथि आलिया बानो (अधिवक्ता, जिला विधिक परामर्श) द्वारा पौधरोपण करके की गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मंजू यादव ने उपस्थित बेटियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें ' कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अनिका गुप्ता, कोमल, गुनगुन, अंजलि को मुख्य अतिथियों द्वारा कैप, कप और विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से पवन केशरी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया संस्था की अध्यक्ष बिंदु रैदानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मोबाइल फोन हैक कर किए गए 50,000 फ्रॉड की धनराशि को कराया वापस

भदोही , 06 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही श्री अभिनव त्यागी द्वारा जनपदीय साइबर सेल को सतर्क एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निदेर्शों के क्रम में साइबर सेल भदोही द्वारा एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए साइबर फ्रॉड का शिकार हुए पीड़ित की संपूर्ण धनराशि वापस कराई गई। शिकायतकर्ता अवधेश कुमार यादव निवासी बैरीबीसा का मोबाइल फोन साइबर अपराधियों द्वारा हैक कर उनके बैंक खाते से ?50,000/-रु0 की धनराशि अवैध रूप से स्थानांतरित कर ली गई थी। पीड़ित द्वारा तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई।साइबर सेल भदोही द्वारा शिकायत का त्वरित संज्ञान लिया गया तथा फ्राड की गई धनराशि को तत्काल प्रभाव से होल्ड करते हुए बैंक नोडल से समन्वय स्थापित कर आज दिनांक 06.06.2026 को पीड़ित की 50,000/- रु0 की संपूर्ण धनराशि वापस कराई गई।

ईंट भट्ठे पर हुए विवाद में पत्नी की मौत,पति गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 06 जून (देवव्रत संवाद)।धानापुर थाना स्थानीय क्षेत्र के ग्राम ओडौला ईट भट्ठा पर दिनांक 04.06.2026 को विनोद मांझी पुत्र हरि मांझी निवासी ग्राम सुन्दरचक मतासो थाना फतेहपुर जिला गया(बिहार) द्वारा अपनी पत्नी फुलवा देवी को खाना बनाने की बात पर हुए विवाद गुस्से मे ईट भट्टे पर पटक कर मार-पीट दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी थी।उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 86/2026 धारा 103(1)बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक धानापुर त्रिवेणी लाल सेन के नेतृत्व में थाना धानापुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर मु.अ.सं. 86/2026 धारा 103(1) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त विनोद मांझी पुत्र हरि मांझी निवासी ग्राम सुन्दरचक टोला मतासो थाना फतेहपुर जिला गया(बिहार)को ग्राम ओड़ला कूडा घर के पास दैत्रा बाबा के पेड के नीचे चबूतरे से किया गया गिरफ्तार। पकड़ा गया अभियुक्त विनोद मांझी पुत्र हरि मांझी निवासी ग्राम सुन्दरचक टोला मतासो थाना फतेहपुर जिला गया(बिहार) निवासी बताया जाता है।जिसपर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

ब्रह्मपुत्र मेल मे पूर्व विधायक सहित दर्जनों यात्रियों को हुई असुविधा

मीरजापुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। रेलवे स्टेशन मीरजापुर में दिल्ली जक्शन को जाने वाली 15658 ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस के आने के बाद स्टेशन पर उक्त ट्रेन का इंतजार कर रहे दर्जनों यात्रियों को उस समय असुविधा हुई जब रेलवे स्टेशन का इंडिकेटर डिस्प्ले द्वारा यात्रियों को ट्रेन कोच की सूचना गलत दी गई थी जिसके चलते एसी ए 1 के कई यात्री जहां डिस्प्ले इंडिकेट कर रहा था वहां पहुंचे तो वहां साधारण कोच लगाया गया था।

जिसके चलते पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी एवं उनके सहवर्ती इश्तियाक अंसारी सहित दर्जनों यात्रियों को साधारण कोच में आनन फानन में चूसना पड़ा जिससे एक यात्री बाल बाल बचे वर्ना वह ट्रेन के नीचे फिसलते फिसलते बचे।रेलवे स्टेशन प्रशासन की लापरवाही का इससे बड़ी लापरवाही का सबूत और क्या हो सकता है। हालांकि रेलवे प्रशासन के इस लापरवाही की शिकायत पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी द्वारा रेलवे अधिकारियों को दूरभाष पर तत्काल दिया गया है। बताते चलें कि महज पांच मिनट रूकने वाली ब्रह्मपुत्र मेल के डिस्प्ले द्वारा यात्रियों को संकेत दिया गया कि उनका कोच पीछे तरफ है जब यात्री पीछे चले गए तब वहां उनका कोच आगे की ओर ट्रेन गार्ड द्वारा बताया गया इसी बीच ट्रेन चल दिया तभी आनन फानन में पूर्व विधायक श्री चौधरी एवं उनके सहवर्ती इश्तियाक अंसारी सहित कई यात्री ठसाठस भरी साधारण कोच में किसी तरह जोखिम भरा यात्रा किया और प्रयागराज जंगशन पर यात्रियों द्वारा अपने निर्धारित कोच में पहुंचे गनिमत रहा कि पूर्व विधायक द्वारा डिस्प्ले की लापरवाही की शिकायत दर्ज कराई थी जिसके चलते उनका बर्थ अप्सेन्टी में रद्द नहीं किया गया था। वर्ना यात्री के अप्सेन्ट होने पर रिजर्व टिकट रद्द कर वेटिंग लिस्ट कन्फर्म किया जाता है। यह है मीरजापुर रेलवे स्टेशन प्रशासन के गंभीर लापरवाही एवं असुविधा का सटीक उदाहरण है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 06 जून (देवव्रत संवाद)। सरकार के मंशानुरूप जन समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए जिले के सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग व पुलिस अधीक्षक आकाश पटेल की अध्यक्षता में सदर तहसील के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों को समय से निस्तारण करने के निर्देश दिया।समाधान दिवस में राजस्व (भूमि विवाद), पुलिस,विकास और समाज कल्याण विभाग से संबंधित मामले सामने आए। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से अवैध कब्जों, चकमार्गों की पैमाइश और राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों में टीमें तत्काल मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और दोनों पक्षों की मौजूदगी में पैमाइश कर विवाद का समाधान कराएं।

जिलाधिकारी ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 95 प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें मौके पर

06 प्रार्थना पत्र का निस्तारण कराया गया।साथ ही शेष प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समय सीमा में करने को संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।सदर तहसील के परिसर एवं आसपास की नालियों की बारिस से पहले एक बार अभियान चलाकर सफाई कराने के लिए अवगत कराया जिस पर अधिशासी अधिकारी चंदौली को जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी मानसून को देखते हुए जलभराव,गंदगी और संक्रामक बीमारियों के खतरे से बचाव के लिए सफाई अभियान चलाकर कार्य करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी परितोष मिश्रा,उप जिलाधिकारी सदर विजय कुमार त्रिवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर, डीसी नरेगा,बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कुमार,पी ओ डूडा राजेश उपाध्याय, अधिशासी अभियन्ता विद्युत,अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत दिनेश कुमार, सोशल सेक्टर के अधिकारीगण एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

घर के बाहर चारपाई पर सो रहे युवक का शव मिलने से सनसनी,हत्या की आशंका

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 06 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद चंदौली के चकिया थाना अंतर्गत शनिवार की सुबह डायल 112 की माध्यम से चकिया पुलिस को सूचना मिली कि जोगिया कला गांव में अपने घर के बाहर सो रहे एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि घर के बाहर चारपाई पर सो रहे लगभग 34 वर्षीय बृजेश यादव नामक व्यक्ति का शव वही पर पड़ा हुआ था।प्रथम दृष्टिया मामला ऐसा प्रतीक हो रहा है कि बृजेश यादव पर किसी व्यक्ति द्वारा गले पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी गई है।मौके पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में लेने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

अज्ञात बस व चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गोपीगंज, 06 जून (देवव्रत संवाद)। कोतवाली क्षेत्र के छतमी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के मिसिरपुर गांव निवासी अनोज पुत्र सुरेश कुमार की ओर से दी गई तहरीर मे अवगत कराया गया है कि उनका भाई सनोज तीन जून को दोपहर अपनी मौसी के घर जा रहा था।इसी दौरान प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही एक अज्ञात बस ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर गोपीगंज पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़, रेलवे पुलिस रही अलर्ट

गोपीगंज, 06 जून (देवव्रत संवाद)। नगर स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को साप्ताहिक ट्रेनों के संचालन के कारण अन्य दिनों की अपेक्षा यात्रियों की संख्या अधिक रही। जनरल टिकट काउंटर पर देर शाम तक लंबी कतार लगी रही। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जीआरपी चौकी प्रभारी आनंद कुमार यादव पुलिस टीम के साथ स्टेशन परिसर में मुस्तैद नजर आए। रेलवे पुलिस द्वारा स्टेशन परिसर में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विभूति एक्सप्रेस, पटना-सिकंदराबाद एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में सघन जांच-पड़ताल की गई तथा यात्रियों से पूछताछ कर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान का प्रयास किया गया।चौकी प्रभारी ने स्टेशन परिसर में अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों को चेतावनी दी। वहीं मनमाने ढंग से वाहन खड़ा करने वालों को निर्धारित स्टैंड में वाहन पार्क करने के निर्देश दिए गए। पुलिस की सक्रियता के चलते प्लेटफॉर्म पर बेवजह टहलने वाले लोग भी नजर नहीं आए। सुरक्षा अभियान के दौरान रेलवे ट्रैक का भी निरीक्षण किया गया। रेलवे पुलिस ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरतते हुए स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी बनाए रखी।यह संस्करण स्थानीय समाचार पत्र की शैली के अनुरूप है।

अवैध पानी बेचते 4 युवक पकड़े गए, आरपीएफ ने की कार्रवाई

गोपीगंज, 06 जून (देवव्रत संवाद) रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज रामबाग ने गुरुवार को ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर विशेष अभियान चलाकर अनाधिकृत रूप से पानी बेच रहे चार युवकों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरपीएफ निरीक्षक डी.एस. यादव के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में रोशन बिंद (20) पुत्र बृजलाल बिंद, अनीश बिंद (21) पुत्र राजकुमार बिंद, दीपू बिंद (21) पुत्र भोला बिंद और सुरेंद्र सोनी (32) पुत्र स्व. गंगा प्रसाद को पकड़ा गया। सभी आरोपी गोपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे भिखारी के रहने वाले हैं। आरपीएफ के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर रोक के लिए यह अभियान चलाया गया। आरोपियों के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट प्रयागराज रामबाग में मुकदमा अपराध संख्या 219/2026 से 222/2026 तक, धारा 144 रेल अधिनियम के तहत 5 जून 2026 को केस दर्ज हुआ है। निरीक्षक डी.एस. यादव ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर बिना अनुमति खाद्य-पेय पदार्थ बेचना गैरकानूनी है। यात्री केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही सामान लें। अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान जारी रहेगा

अज्ञात बदमाशों ने साइकिल सवार को मारी गोली,मौत

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 06 जून (देवव्रत संवाद)।दिन शनिवार को अलीनगर थाना अंतर्गत पटपरा के समीप एक साइकिल सवार लगभग 45 वर्षीय युवक को अज्ञात बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई जिससे साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस बाबत पुलिस अधीक्षक चंदौली आकाश पटेल द्वारा बताया गया कि साइकिल सवार युवक का नाम मनोज कुमार मुगलसराय चतुभुजपुर क्षेत्र निवासी है जिसको गोली किन कारणों से मारी गई इसकी जांच की जा रही है शीघ्र ही घटना का खुलासा पुलिस टीम द्वारा किया जाएगा।वही उक्त घटना से क्षेत्र में सनसनी व्याप्त रही। गौरतलब हो कि इन दिनों जनपद चंदौली में बदमाशों के हौसले काफी बुलंद है जो आए दिन इस तरह की घटना को अंजाम देते नजर आ रहे हैं।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलो में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

मीरजापुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलो में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक ने आए हुए फरियादियो की समस्याओं को सुना। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 83 प्रार्थना पत्रो में से मौके पर तीन प्रार्थना पत्रो का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित अधिकारियो को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि पूरी पारदर्शिता व गुणवत्तापूर्ण प्रार्थनो पत्रो का निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतकर्ताओ से फीडबैक लिए जाने के दौरान गुणवत्ता संतोषजनक नही पाई जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने लेखपालो व कानून गो को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0 से सम्बन्धित सभी प्रकरणो के निस्तारण की गुणवत्ता उत्तम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व व पैमाइश की शिकायत के मामले राजस्व व पुलिस की संयुक्त बनाते हुए मौके पर जाकर दोनो पक्षो की उपस्थिति में उनकी शिकायतो को सुनते हुए पीड़ित को संतुष्टिपरक न्याय दिलाए। उन्होंने कहा कि इसके सम्बंध में मुख्यमंत्री कार्यालय समीक्षा की जा रही है व शिकायतकर्ता को सीधे उसके दूरभाष पर वार्ता कर फीडबैक लिया जा रहा है अतएव उप जिलाधिकारी शिकाकायतो के निस्तारण की गुणवत्ता का समय-समय परीक्षण अवश्य करते रहें। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय अधिकारी भी आई0जी0आर0एस0 पोर्टल प्रतिदिन लागिन करके देख। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता आज तहसील दिवसो में प्रार्थना पत्र लेकर आए है उनका समय से सभी का निस्तारण गुणवत्ता करा दे ताकि बार-बार उन्हें तहसील दिवस व जिला मुख्यालय का चक्कर एक शिकायत के बार-बार न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि यदि संज्ञान में आया कि एक ही शिकायतकर्ता बार-बार चक्कर लगवाया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस हेतु नामित जनपद स्तरीय अधिकारी स्वंय प्रतिभाग करे यदि वे अवकाश या अन्य किसी कारण से नही आ सकते है तो इसकी पूर्व से सूचना देने के उपरान्त ही अपने सहायक को भेजे।

सोशल मीडिया पर रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने के मामले में डीएम ने की तत्काल कार्रवाई, राजस्व निरीक्षक निलंबित

शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित-डीएम

सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में जून महीने के प्रथम शनिवार को ह्यह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्यह्य का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल (आपरेशन) द्वारा शिकायतकताओं की शिकायतों को सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त हुए, मामलों को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों की स्थलीय जॉच कर निस्तारण कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष दीपक शाह द्वारा जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के समक्ष एक शिकायत प्रस्तुत की गई। शिकायत में अवगत कराया गया कि एक राजस्व निरीक्षक का रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, तथा संबंधित के विरुद्ध अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। जिलाधिकारी शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल मामले का संज्ञान लिया। प्रथम दृष्टया उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ही राजस्व निरीक्षक अखिलेश कुमार शुक्ला को जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए तथा प्रकरण की विस्तृत जांच के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनपद में भ्रष्टाचार,

अनियमितता एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन स्थापित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार अथवा अनुचित आचरण की शिकायत प्राप्त

होती है और जांच में आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो संबंधित के विरुद्ध कठोर एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष सामुदायिक स्वस्थ केंद्र दुद्धी में महिला चिकित्सक न होने के शिकायत प्राप्त हुई जिसपर जिलाधिकारी ने तात्कालिक प्रभाव से संज्ञान में लेकर डॉ० पल्लवी सिन्हा, महिला चिकित्साधिकारी सामु0स्वा० केन्द्र, म्योरपुर को सप्ताह में दो दिन के लिए सामु0स्वा०केन्द्र, दुद्धी पर कार्य करने हेतु आदेशित किए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होने कहा कि प्रत्येक प्रकरण को गम्भीरता से लेकर जॉच कर निस्तारण आख्या प्रस्तुत की जाये।

रावर्टसगंज में उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, तहसीलदार सदर अमित कुमार आदि ने 35 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 04 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस रावर्टसगंज में कुल 04 मामले निस्तारित हुए, बाकी 31 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।

बलिदानी धरती शेरपुर के लाल प्रेम शंकर राय को वीरता पुरस्कार की संस्तुति

भांवरकोल/गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 29 मार्च 2025 को हुए बड़े नक्सल विरोधी अभियान में उल्लेखनीय बहादुरी और नेतृत्व का परिचय देने वाले सीआरपीएफ की 159वीं बटालियन में तैनात शेरपुर निवासी असिस्टेंट कमांडेंट प्रेम शंकर राय को वीरता पुरस्कार (गैलेंट्री अवार्ड) के लिए चुना गया है।नेड्डम-उपमपल्ली के जंगलों में हुए इस संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया था। अभियान में असाधारण साहस और रणकौशल का प्रदर्शन करने वाले सात जवानों को मेडल फॉर गैलेंट्री (ढटऋ) के लिए नामित किया गया है, जिनमें प्रेम शंकर राय भी शामिल हैं।प्रेम शंकर राय के पिता अमर शहीद विजय शंकर राय भी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में कार्यरत थे। 18 जुलाई 1992 को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए वे वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनकी शहादत और अदम्य साहस के लिए उन्हें मरणोपरांत राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।सीआरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, इस सफल अभियान में प्रेम शंकर राय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इससे पूर्व भी उन्हें उत्कृष्ट सेवा और बहादुरी के लिए महानिदेशक प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। पिता की शौर्यपूर्ण विरासत को आगे बढ़ाते हुए प्रेम शंकर राय की यह उपलब्धि क्षेत्र और जिले के लिए गौरव का विषय बनी हुई है।

सोनभद्र में स्कूटी-बाइक टक्कर

सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। बिरधी गेट के तिराहे के पास स्कूटी और बाइक की जोरदार टक्कर हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों का इलाज जारी है।जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार अखिलेश यादव (16) पुत्र पंचु यादव, निवासी ग्राम पंचायत नरोखर और गुलजार (19), निवासी चकिया क्षेत्र, जो अपने ननिहाल नरोखर में रहता था। किसी काम से बाजार जा रहे थे।

अपहरण के दोषी सरवन कुमार को 4 वर्ष की कैद

सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी, सीएडब्लू सोनभद्र बिपिन कुमार तृतीय की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सरवन कुमार को 4 वर्ष की कैद व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 29 जनवरी 2024 को दुद्धी थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 23 जनवरी 2024 को रात्रि 2 बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी को बहला फुसलाकर सरवन कुमार पुत्र लालकेश्वर निवासी झारोकला, थाना दुद्धी, जिला सोनभद्र कहीं भगा ले गया है। इसके पहले भी सरवन उसकी बेटी को भगा कर ले गया था। लेकिन आपसी सुलह समझौता के बाद मामला शांत हो गया था। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

पुलिस भर्ती परीक्षा 8, 9, 10 जून को, एसपी ने तैयारी को लेकर की बैठक

सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। सोनभद्र में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून को आयोजित की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा यह परीक्षा जनपद के 6 केंद्रों पर दो पालियों में संपन्न होगी। पुलिस और प्रशासन ने इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

जनपद में कुल छह परीक्षा केंद्र राबटर्सगंज, चुर्क, मधुपुर और घोरावल क्षेत्र में बनाए गए हैं। एएसपी मुख्यालय अनिल कुमार को इसका नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। गुरुवार को नोडल अधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक की थी।

बैठक मे परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, चेकिंग, फ्रिस्किंग व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रश्नपत्रों एवं गोपनीय सामग्री की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, कंट्रोल रूम संचालन तथा कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा की गई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए छह-छह सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

प्रत्येक केंद्र पर केंद्र व्यवस्थापक के साथ पुलिस की ओर से केंद्र प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। नोडल अधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, नकल या संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। 8, 9 और 10 जून को होने वाली इस परीक्षा में प्रत्येक पाली में 2832 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

हिंडाल्को में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रेनुकूट, सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। हिंडाल्को रेणुकूट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुई, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने प्रकृति की रक्षा, जल एवं ऊर्जा संरक्षण तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

इसके पश्चात एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत संयंत्र परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया। इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी लोगों को वृक्षों के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का आयोजन त्र्- स्क प्लांट में किया गया।

इस अवसर पर हिंडाल्को रेणुकूट के मुखिया समीर नायक ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लप्रकृति संरक्षण ही मानव जीवन का आधार है। पृथ्वी को सुरक्षित और हरित बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं।ह्व वहीं, क्लस्टर हेड (एचआर) जसबीर सिंह ने कहा कि ह्लपेड़-पौधे सिर्फ हरियाली नहीं बढ़ाते, बल्कि हमारे जीवन का वास्तविक आधार हैं। शुद्ध वायु और बेहतर स्वास्थ्य के लिए पेड़ों का होना अत्यंत आवश्यक है। सभी लोगों को अपने घरों के आसपास कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।ह्व

कार्यक्रम के दौरान रिडक्शन प्लांट हेड जयेश पवार, पर्यावरण विभाग प्रमुख सत्यजीत आचार्य एवं उनकी टीम, एचआर हेड अजय सिन्हा सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाते समय हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक, प्रशासन में मचा हड़कंप

सिंगरौली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। जिला मुख्यालय बैढ़न के गनियारी स्थित न्यू पीजी कॉलेज की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के दौरान शनिवार शाम को एक नाटकीय स्थिति उत्पन्न हो गई। कार्रवाई का विरोध करते हुए 'हिमांशु' नामक एक युवक पास ही के हाईटेंशन बिजली के टावर पर जा चढ़ा। अतिक्रमण हटाने के लिए तहसीलदार सविता यादव के नेतृत्व में नगर निगम, राजस्व और पुलिस विभाग की टीम भारी बल के साथ मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई शुरू होते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां जमा हो गए, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। टावर पर चढ़े युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार उसे समझाइश दे रहे हैं।तहसीलदार सविता यादव ने बताया कि कॉलेज की जमीन पर कुल 25 अवैध मकान बनाए गए थे, जिनमें से अधिकांश हटा दिए गए हैं। केवल 3 मकान शेष बचे हैं, जिन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित लोगों को पहले ही नोटिस देकर पर्याप्त समय दिया गया था।

रेलवे के आश्वासन के बाद प्रभावितों का प्रस्तावित अनशन स्थगित

सिंगरौली, 06 जून (देवव्रत संवाद)। ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना से प्रभावित उन परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है, जिन्हें भूमि अधिग्रहण के दौरान दूसरी अनुसूची के तहत मिलने वाले पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन लाभ नहीं मिल सके थे। रेलवे विभाग द्वारा पात्र प्रभावितों को नियमानुसार लाभ देने का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रभावितों द्वारा प्रस्तावित अनशन एवं धरना कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

प्रभावित हित संरक्षण समिति के अनुसार पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के मुख्य अभियंता (निर्माण) ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि दूसरी अनुसूची के अंतर्गत पात्र पाए जाने वाले सभी प्रभावित व्यक्तियों को नियमानुसार लाभ प्रदान करने के लिए रेलवे विभाग तैयार है। इसके लिए आवश्यक है कि संबंधित व्यक्तियों की पात्रता का प्रमाण राजस्व विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रमाणित कर जिला प्रशासन के माध्यम से रेलवे विभाग को मांग पत्र भेजा जाए। मुख्य अभियंता ने स्पष्ट किया कि जिन प्रभावितों के नाम से कलेक्टर, उपखंड अधिकारी (राजस्व) अथवा अन्य सक्षम राजस्व अधिकारियों द्वारा दूसरी अनुसूची की पात्रता संबंधी प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं, वे लगभग पांच लाख रुपये की पुनर्वास सहायता राशि सहित अन्य स्वीकृत लाभ प्राप्त करने के लिए कलेक्टर कार्यालय के माध्यम से रेलवे विभाग को मांग पत्र भेज सकते हैं। मांग पत्र प्राप्त होते ही विभाग द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिन प्रभावितों को अभी तक पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है, उनसे राजस्व विभाग से प्रमाण पत्र जारी कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आग्रह किया गया है, ताकि उनकी मांग भी रेलवे विभाग तक पहुंच सके और उन्हें नियमानुसार लाभ मिल सके।

प्रभावित हित संरक्षण समिति ने कहा कि रेलवे विभाग के सकारात्मक आश्वासन को देखते हुए प्रस्तावित अनशन कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। हालांकि समिति ने चेतावनी दी है कि यदि पात्र प्रभावितों को समयबद्ध तरीके से दूसरी अनुसूची के लाभ उपलब्ध नहीं कराए गए, तो भविष्य में पुनः लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी को सुनाई दस वर्ष की सजा

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में पाक?सो कोर्ट ने आरोपी को दस वर्ष की सजा और 40 हजार का जुमार्ना लगाया है। विशेष लोक अभियोजक रविकांत पांडेय ने बताया कि 2018 में खानपुर थाना क्षेत्र के 15 वर्षीय नाबालिक लड़की को अभियुक्त गौतम ने बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। शादी का झांसा देकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। इस घटना की रिपोर्ट पीड़िता के पिता ने थाने में दर्ज करायी। विवेचना के उपरांत अभियुक्त गौतम के खिलाफ धारा 363, 366, 376, व ३ पाक्सो एक्ट के अंतर्गत आरोप कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। अभियोजक के तरफ से कुल सात गवाह परिक्षित कराये गये। सभी ने अभियोजक के कथन का समर्थन किया।

रेवतीपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा अयूब अंसारी का किया गया भव्य स्वागत

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रेवतीपुर के तत्वाधान में नवनियुक्त असंगठित कामगार एवं कर्मचारी संगठन के पूर्वी जोन के प्रदेश अध्यक्ष अयूब अंसारी का स्वागत किया गया स्वागत समारोह में कार्यकताओं ने कहा कि अयूब अंसारी जमीनी स्तर के कार्यकर्ता है और इनको प्रदेश की जिम्मेदारी देकर के कार्यकताओं में उत्साह लाने का प्रयास किया गया है इसके लिए माननीय मल्लिका अर्जुन खड़गे माननीय श्रीमती सोनिया गांधी माननीय राहुल गांधी माननीय प्रियंका गांधी तथा माननीय उदित राज को कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है अयूब अंसारी जमीनी कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर के कार्यों को गति देते रहते हैं निश्चित तौर पर उनके कार्यों से पूर्वी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी स्वागत समारोह में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव डॉक्टर जनक कुशवाहा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शशि भूषण राय विनोद सिंह कुंदन खरवार गोपाल राम खरवार मजहर हुसैन अखिलेश यादव अशोक कुशवाहा महेंद्र कुशवाहा रवीश कुमार अशोक खरवार योगेंद्र खरवार अवध बिहारी खरवार सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे

विनीत राय की हत्याकांड ने खोल दिया है सरकार के भयमुक्त सरकार के दावे की पोल- अजय राय

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय शनिवार को गाजीपुर पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में हुई चर्चित विनीत राय हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए संघर्ष करेगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि होटल व्यवसायी आलोक राय का परिवार जनपद का एक सम्मानित परिवार है, लेकिन उनके पुत्र विनीत राय की जिस बर्बरता और निर्ममता से हत्या की गई, उसने प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। उन्होंने कहा कि घटना के मुख्य आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जो सरकार और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। हत्या, लूट, अपहरण, फिरौती और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जबकि सरकार केवल दावों और प्रचार तक सीमित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि सरकार कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने में असफल है तो मुख्यमंत्री को सत्ता छोड़कर अपने मठ में लौट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों का राज स्थापित हो चुका है और सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

इसके उपरांत अजय राय वरिष्ठ कांग्रेस नेता अखिलेश्वर प्रसाद सिंह के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी धर्मपत्नी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही कांग्रेस नेत्री कुसुम तिवारी के आवास जाकर उनकी सासू मां के निधन पर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रदेश सचिव फसाहत हुसैन ह्यबाबूजीह्न, जिला कोऑर्डिनेटर मनीष मोरोलिया, ओमप्रकाश ओझा, जिलाध्यक्ष सुनील राम, शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक पशुपतिनाथ राय, एआईसीसी सदस्य रविकांत राय, आनंद राय, जनक कुशवाहा, लालसाहब यादव, अजय कुमार श्रीवास्तव, चंद्रिका सिंह, हामिद अली, राजेश गुप्ता, ज्ञान प्रकाश सिंह, उमाशंकर सिंह, धर्मेंद्र कुमार, विद्याधर पांडेय, महबूब निशा, सुमन चौबे, आशुतोष गुप्ता, विभूति राम, राजेश उपाध्याय, अरविंद मौर्य, गयासुद्दीन अंसारी, गुलगुल राय, सीताराम राय, वीरेंद्र राय, सदानंद गुप्ता, संजय साहू, शंभू कुशवाहा, आलोक यादव, मुसाफिर बिंद, ओमप्रकाश यादव, राजेश सिन्हा, ओमप्रकाश पांडेय, हरिओम यादव, गुड्डू कुमार, नसीम अख्तर, देवेंद्र सिंह, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जर्जर पानी की टंकी का हिस्सा गिरा, बड़ा हादसा टला

सिंगरौली, 06 जून (देवव्रत संवाद)।नगर निगम क्षेत्र के बिलौजी इलाके में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहाँ स्थित एक पुरानी और जर्जर पानी की टंकी का एक हिस्सा अचानक भरभराकर जमीन पर गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह पानी की टंकी वर्ष 1992 से बंद पड़ी है। पिछले कई सालों से देखरेख के अभाव में यह ढांचा पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इससे पहले भी टंकी के कई हिस्से टूटकर गिर चुके हैं। चूंकि यह टंकी घनी आबादी वाले सड़क किनारे स्थित है, इसलिए स्थानीय लोग इसे हमेशा से ही खतरे की जद में मान रहे थे।क्षेत्रीय निवासियों का आरोप है कि उन्होंने इस खतरनाक ढांचे के बारे में कई बार नगर निगम और संबंधित विभाग को शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। निवासियों को केवल आश्वासन ही मिले हैं। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से इस जर्जर टंकी को ध्वस्त करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी जनहानि को रोका जा सके।

तियरा के पास भीषण सड़क हादसाः बाइक-हाइवा की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत, एक गंभीर

सिंगरौली, 06 जून (देवव्रत संवाद)।जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत तियरा गांव के पास शुक्रवार रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बाइक और हाइवा वाहन की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार परसदेही निवासी मनोज शाह (22) और परविंद्र कुमार शाह (23) बाइक क्रमांक एमपी 66 एमएफ 5777 से वेदान क्षेत्र से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तियरा गांव के समीप उनकी बाइक की टक्कर हाइवा वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 2502 से हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मनोज शाह ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि परविंद्र शाह गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 और स्थानीय पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान लोगों ने सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाइश दी और स्थिति को शांत कराया।ुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। संबंधित वाहन और उसके चालक के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी और चिंता देखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने, यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

अग्निमंथन से निकली ज्वाला,हवन कुंड में 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी गई आहुति

सोनभद्र, 06 जून (देवव्रत संवाद)। रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर पर मंदिर प्रांगण में शनिवार को दूसरे दिन नौ दिवसीय विराट रुद्र महायज्ञ में अग्निमंथन से निकली ज्वाला को हवनकुंड में प्रज्ज्वलित करते हुए प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि मणिराम छावनी रामजन्मभूमि अयोध्या के महंत कमल नयन दास जी महाराज 13 जून को यज्ञ की पूणार्हुति के दिन गरीब कन्याओं की शादी में आशीर्वाद देने आएंगे। नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज के दूसरे दिन आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ में पूजन कराया गया। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भिखारी बाबा ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है। अग्निमंथन कार्यक्रम में रमेश कुमार, देवेंद्र कुमार, शशि देवी, चिंता मौर्य, विमला देवी, शुभराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना बाबा, रामखेलावन, राजेश, परमानंद आदि शामिल रहे।

समाधान दिवस में 576 शिकायतों में से 58 शिकायतों का निस्तारण

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस समस्त तहसीलों मे संबंधित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जनपद की सातों तहसीलों की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 576 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें मौके पर 58 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जमानियां में 126 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 06 का निस्तारण किया गया। तहसील सदर में प्राप्त 49 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में प्राप्त 39 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। सेवराई तहसील में प्राप्त 69 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 06 का, तहसील जखनियां में प्राप्त 118 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 08 का निस्तारण किया गया। तहसील सैदपुर में प्राप्त 70 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से मौके पर चार का एवं तहसील मुहम्मदाबाद में प्राप्त 105 शिकायती प्रार्थना पत्रों में से 16 का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने जनता की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कुछ शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कराया तथा शेष शिकायतों को सम्बंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि जमीनी विवाद से सम्बन्धित मामलों में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विवादों का निस्तारण सुनिश्चित करें।

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के लिए आन लाइन आवेदन शुरू

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण ने सूचित किया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर योजनाओं के अन्तर्गत जन सामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल 08.06.2026 से 28.06.2026 तक खोला जा रहा है। मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषाद राज बोट सब्सिडी योजना, सघन मत्स्य हेतु ऐरियेशन सिस्टम की स्थापना हेतु। उपरोक्त योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार आवेदन पृथक-पृथक करने होंगे। योजनान्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उक्त योजनाओं में यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्राविधान लागू होंगे। योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त/प्रतिक्षारत आवेदन वाले आवेदक पुनः आवेदन कर सकते है। इसके अतिरिक्त योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय-मत्स्य पालक विकास अभिकरण, विकास भवन गाजीपुर, से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्तार अंसारी के चर्चित गजल होटल अब अभिषेक अग्रवाल ने ठोका दावा

गाजीपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्तार अंसारी के चर्चित गजल होटल पर अब मोती वर्मा के बाद आज शनिवार को अभिषेक अग्रवाल निवासी टेढ़ी बाजार ने एमपी/एमएलए कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि यह जमीन हमारी है। इसे मुख?तार अंसारी ने जबरदस्?ती कब्?जा कर लिया था और गजल होटल का निर्माण कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज विधायक अब्बास अंसारी के अधिवक्ता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा इसके बाद अभिषेक अग्रवाल ने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि यह जमीन हमारी है और इसे मुख्तार अंसारी ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया था। न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख निर्धारित की है।

अली बिल्डिंग व्यापार मंडल की ऐतिहासिक पहल, विकास की नई इबारत लिख रहा है अली बिल्डिंग व्यापार मंडल

अली बिल्डिंग व्यापार मंडल की ऐतिहासिक पहल: सुरक्षा, जागरूकता और विकास की दिशा में बड़ा कदम

मऊ, 06 जून (देवव्रत संवाद)। अली बिल्डिंग व्यापार मंडल द्वारा शनिवार को क्षेत्र के व्यापारियों और नागरिकों के हित में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल की गई, जिसने पूरे बाजार क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं महामंत्री के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष अभियान के तहत व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम और फायर एक्सटिंग्विशर खरीद अभियान का आयोजन किया गया। अली बिल्डिंग स्थित संस्कार कलेक्शन के ऊपर लगाए गए इस विशेष कैंप में सुबह 11 बजे से ही व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम

का उद्देश्य बाजार क्षेत्र को आग जैसी आपात परिस्थितियों से सुरक्षित बनाना और व्यापारियों को सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 1500 की लागत वाले फायर एक्सटिंग्विशर उपलब्ध कराए गए, जिन्हें खरीदने के लिए व्यापारियों में उत्साह देखने को मिला। समाचार लिखे जाने तक लगभग 25 दुकानदार फायर एक्सटिंग्विशर खरीद चुके थे। व्यापार मंडल का मानना है कि प्रत्येक दुकान में अग्निशमन उपकरण की उपलब्धता न केवल व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि किसी भी आकस्मिक घटना के दौरान जान-माल के नुकसान को भी काफी हद तक कम करेगी। हालांकि अभी भी अधिक से अधिक व्यापारियों को इस अभियान से जोड़ने और जागरूक करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इस पहल ने वर्ष 2005 के उस दर्दनाक दौर की यादें भी ताजा कर दीं, जब दंगों के दौरान अली बिल्डिंग में आग लगने की घटना हुई थी और अग्निशमन विभाग को पानी का पाइप पहुंचाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। उस समय संसाधनों की कमी और व्यवस्थागत चुनौतियों के कारण हालात बेहद गंभीर हो गए थे। उस घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे लोगों का कहना है कि यदि उस समय इस प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था और जागरूकता होती तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। यही कारण है कि व्यापार मंडल की वर्तमान पहल को भविष्य की सुरक्षा के लिए एक मजबूत और आवश्यक कदम माना जा रहा है।

व्यापार मंडल की इस सराहनीय पहल के लिए विशेष रूप से विपिन, अजय, अब्दुल तथा पूरी कमेटी के सदस्यों की सक्रियता और समर्पण की प्रशंसा की जा रही है। क्षेत्र के व्यापारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल फायर एक्सटिंग्विशर खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि अली बिल्डिंग के सुरक्षित, संगठित और विकसित भविष्य की नींव रखने वाला अभियान है। संरक्षक मंडल ने अध्यक्ष, महामंत्री और पूरी कार्यकारिणी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और सामूहिक प्रयास अली बिल्डिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। व्यापारियों का मानना है कि सुरक्षा और जागरूकता से ही समृद्ध और सुरक्षित व्यापारिक वातावरण का निर्माण संभव है, और अली बिल्डिंग व्यापार मंडल ने इस दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

रामचरितमानस जीवन जीने की कला सिखाता है - रीतेश रामायणी

अमिला (मऊ), 06 जून (देवव्रत संवाद)। श्री राम चरित मानस सम्मेलन समिति अमिला के तत्वावधान में आयोजित अनवरत 43 वें वार्षिक श्री रामचरितमानस सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार को अमिला प्राथमिक विद्यालय परिसर स्थित डीह बाबा स्थल पर विधि-विधान के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय ग्राम देवता डीह बाबा एवं व्यास गद्दी के पूजन-अर्चन से की गई।समिति के मंत्री अशोक कुमार ओझा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कथा समागम का शुभारंभ कराया।प्राकृतिक विषमताओं के कारण पहले दिन कथा का आरंभ निर्धारित समय से कुछ विलंब से हुआ।

कथा सत्र की शुरूआत वक्ता उमाकांत ओझा ने की।इसके बाद जौनपुर से पधारे व्यास वशिष्ठ नारायण उपाध्याय ने रामकथा की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामकथा का वास्तविक रस वही व्यक्ति ग्रहण कर सकता है, जिसके मन में सरलता और सरसता हो। उन्होंने कहा कि रामकथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली आध्यात्मिक धारा है।

अंतिम वक्ता के रूप में कथावाचक रीतेश रामायणी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीरामचरितमानस जीवन जीने की कला सिखाने वाला आदर्श ग्रंथ है। यदि कोई व्यक्ति आदर्श जीवन का मार्ग जानना चाहता है तो उसे रामचरितमानस का अध्ययन और श्रवण करना चाहिए। उन्होंने भगवान श्रीराम के चरित्र को मानव जीवन के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती में भाग लिया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर रामप्रसाद कुशवाहा, शिवनाथ गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, अखिलेश्वर शुक्ल, राकेश गुप्ता, अखिलेश राय, टप्पू राय, श्रीप्रकाश राय, रामनाथ, संजय, रामधनी, मुकेश, जयराम एवं सुभाष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन 8 से 28 जून तक आमंत्रित

मऊ, 06 जून (देवव्रत संवाद)। सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन विभागीय पोर्टल पर दिनांक 8 से 28 जून 2026 तक किए जा सकेंगे।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना योजनायोजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक योजना के अंतर्गत पृथक-पृथक आवेदन करना अनिवार्य होगा। योजनाओं से संबंधित परियोजना विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेखों एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है।सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि यदि भविष्य में योजनाओं के प्रावधानों में कोई संशोधन किया जाता है तो संशोधित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत आवेदक आवेदन कर सकते हैं।

समर्थ नारी समर्थ भारत संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन

मऊ, 06 जून (देवव्रत संवाद)। समर्थ नारी समर्थ भारत संगठन के नई कार्यकारिणी का गठन के साथ नए सत्र की शुरूआत की घोषणा संगठन की संस्थापिका एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता पांडेय के निर्देशन में संरक्षिका कृष्णा खंडेलवाल एवं नूपुर अग्रवाल ने सर्वसम्मति से किया। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम को सफल बनाया। पौधारोपण के क्रम में एक पेड़ मां के नाम एक ऐसा प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति तथा एक मातृ शक्ति के सम्मान और समर्पण को दशार्ता है। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देता है।यह केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि स्मृतियों, भावनाओं और मूल्यों का रोपण है। यह अभियान मां की पालनझपोषण वाली भूमिका को प्रकृति संरक्षण से जोड़ता है।समर्थ नारी समर्थ भारत₹ एक ऐसा संगठन है जो की महिलाओ को सम्मान तथा उनकी शक्ति को उजागर करने का कार्य करता है। ₹ समर्थ नारी, समर्थ भारत ₹ मऊ की संस्थापिका एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता पांडेय के दिशा निर्देशन में संगठन के नए पदाधिकारीगण का गठन किया। जिसमें मधुलिका बरनवाल अध्यक्ष, प्रीतूलता पांडेय महासचिव, अनुभूति द्विवेदी कोषाध्यक्ष, पुष्पा जायसवाल मीडिया प्रभारी एवं नीलम पांडेय आडिटर बनाया गया। जिनको संस्था की संरक्षिका कृष्णा खंडेलवाल एवं नूपुर अग्रवाल ने माला पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात नए पदाधिकारीगण के साथ तमसा तट मढैया घाट राम जानकी मंदिर के प्रांगण में विश्व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न तरह के फलदार फलों के पौधो का रोपण कर राष्ट्र हित में अपना सहयोग दिया ।

मंडल रेल प्रबंधक ने पुनर्विकास और अधोसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने शनिवार को विभिन्न रेल अधिकारियों के साथ बलिया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों और विभिन्न निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान, डीआरएम ने 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज के निर्माण, सकुर्लेटिंग एरिया के विकास, यात्री प्रतीक्षालय के उन्नयन, महिला/पुरुष व दिव्यांग शौचालयों, अति विशिष्ट कक्ष (वीआईपी रूम), स्टेशन परिसर में प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था, पार्किंग स्थल और द्वितीय प्रवेश सकुर्लेटिंग एरिया के निमार्णाधीन कार्यों का अवलोकन किया।

निरीक्षण के बाद, मंडल रेल प्रबंधक ने परियोजना निगरानी समूह के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में बलिया स्टेशन पर चल रही विभिन्न पुनर्विकास और अधोसंरचना परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें स्टेशन के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं के विस्तार, प्लेटफॉर्म विकास, परिसंचरण क्षेत्र सुधार, स्वच्छता व्यवस्था, विद्युत एवं सिग्नल संबंधी कार्यों सहित अन्य परियोजनाएं शामिल थीं। अधिकारियों ने निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूरा करने के प्रयासों की जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी विभागों के अधिकारियों को परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आपसी समन्वय बनाए रखने और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। उन्होंने शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा संभावित बाधाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।बैठक में परियोजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी और समीक्षा करने, साथ ही कार्यों की गति और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर भारत सरकार के परियोजना निगरानी समूह के प्रबंधक श्वेतांक सिन्हा, एसोसिएट पीएमजी पारुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विनीत कुमार, मंडल संरक्षा अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर पुष्पेन्द्र वैश, मंडल विद्युत इंजीनियर दीपक यादव, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) दीपक पाण्डेय और सहायक मंडल परिचालन प्रबंधक एस.के. राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आवास विकास कॉलोनी को लेकर किसानों के समर्थन में उतरे अरविंद

कोपागंज (मऊ), 06 जून (देवव्रत संवाद)। प्रस्तावित आवास विकास कॉलोनी के लिए भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर शनिवार को शहरोज गांव पहुंचे सुहेलदेव समाज पार्टी के प्रमुख महासचिव एवं प्रवक्ता अरविंद राजभर ने किसानों की मांगों का समर्थन किया। ग्रामीणों के आमंत्रण पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य मिलना चाहिए और जब तक उन्हें न्यायसंगत मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़नी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी विकास परियोजना में किसानों के हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सरकार और संबंधित विभागों को किसानों की समस्याओं का समाधान कर उनकी सहमति से ही आगे की कार्रवाई करनी चाहिए।अरविंद राजभर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आबादी की भूमि पर वर्षों से रह रहे लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।उनका मकान नहीं हटाया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

बैठक के दौरान किसानों और ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण, मुआवजा और पुनर्वास से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। किसानों ने उचित मुआवजा और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित किए जाने की मांग दोहराई। शहर से सटे डाड़ी, रेवरीडीह, शहरोज, मेघई और मुहम्मदपुर शहरोज क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद द्वारा आवासीय कॉलोनी विकसित करने की योजना प्रस्तावित है। इसके लिए किसानों की कृषि भूमि अधिग्रहित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। भूमि अधिग्रहण की सूचना सामने आने के बाद से प्रभावित किसान लगातार इसका विरोध कर रहे हैं।

किसानों का आरोप है कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए), सार्वजनिक सुनवाई, किसानों की सहमति और आपत्तियों के निस्तारण जैसी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता नहीं बरती गई। साथ ही मुआवजे की दरों और पुनर्वास संबंधी प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी भी किसानों को नहीं दी गई।इसी मुद्दे को लेकर प्रभावित किसानों ने हाल ही में जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर उचित मुआवजा, पुनर्वास सुविधाएं और अधिनियम-2013 के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की मांग की है। किसानों का कहना है कि जब तक उन्हें न्यायोचित प्रतिकर और उनके अधिकारों की गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक वे भूमि अधिग्रहण का विरोध जारी रखेंगे। इसी क्रम में शनिवार को ग्रामीणों के आमंत्रण पर सुहेलदेव समाज पार्टी के प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर शहरोज पहुंचे और किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए उचित मुआवजा मिलने तक उनके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने विकास भवन परिसर में किया वृक्षारोपण

मऊ, 06 जून (देवव्रत संवाद)। विकास भवन परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने हेतु प्रेरित किया। तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे पूर्ण रूप से विकसित होकर पर्यावरण को लाभ पहुँचा सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और अपने प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल अपने परिवार के सदस्य की तरह करनी चाहिए। इस दौरान विकास भवन के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की प्राथमिकता - जिलाधिकारी

संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील सदर में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने की जनसुनवाई

मऊ, 06 जून (देवव्रत संवाद)। जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने तहसील सदर में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण के दौरान संबंधित शिकायतकर्ता से वार्ता अवश्य की जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील सदर में कुल 116 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 08 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं 04 शिकायतों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया। प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 70 शिकायतें राजस्व विभाग, 16 शिकायतें विकास विभाग, 11 शिकायतें पुलिस विभाग तथा शेष अन्य विभागों से संबंधित थीं।

जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का परिचय दें तथा शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर, उप जिलाधिकारी सदर अवधेश चौहान, तहसीलदार शैलेंद्र प्रताप सिंह सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नाम बदलकर डीजे चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। उभांव थाना पुलिस ने धोखाधड़ी कर डीजे का सामान चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का अधिकांश सामान और घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, एक डीजे संचालक ने उभांव थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि एक व्यक्ति ने अपना नाम झुंझुन यादव, निवासी भीटाभुवारी बताकर डीजे का सामान बुक किया था। 2 जून को आरोपी मैजिक वाहन (यूपी-32 डीएन-0664) लेकर पहुंचा और डीजे का सामान उस पर लाद लिया। आरोपी ने भीटाभुवारी स्थित एक स्थान पर कुछ सामान उतरवाया। इसके बाद उसने डीजे संचालक को शेष सामान लाने के बहाने वापस भेज दिया और खुद बाकी सामान लेकर फरार हो गया। पीड़ित की खोजबीन में पता चला कि आरोपी ने गलत नाम और पता बताया था। उसका वास्तविक नाम शिवा कुमार पुत्र रामनाथ, निवासी आरीपुर सरया (शिवाला), थाना भीमपुरा है। इस मामले में उभांव थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।शनिवार रात गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर उभांव पुलिस ने डम्बर बाबा परती के पास से आरोपी शिवा कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो बेस, दो ट्वीटर, एक स्टेबलाइजर, एक बेल्ट और घटना में इस्तेमाल किया गया मैजिक वाहन बरामद हुआ।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुमित कुमार, कांस्टेबल नरेंद्र कुमार, आरक्षी दीपक कुमार यादव, प्रवीण यादव और संतोष यादव शामिल थे।

बलिया में किसानों को 5 करोड़ के कृषि ऋण वितरित

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया के विकास भवन सभागार में शनिवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मेगा कृषि आउटरीच अभियान आयोजित किया। इस अभियान के तहत किसानों को कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों के लिए ऋण स्वीकृत और वितरित किए गए। इसमें किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, वेयरहाउस, राइस मिल और ऑयल मिल जैसी गतिविधियां शामिल थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर मजिस्ट्रेट आशा राम वर्मा और जिला अग्रणी प्रबंधक सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि नगर मजिस्ट्रेट आशा राम वर्मा ने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। जिला अग्रणी प्रबंधक सुशील कुमार ने जानकारी दी कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को जनपद में इस अभियान के तहत अब तक 15 करोड़ रुपये से अधिक के कृषि ऋण आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से पांच करोड़ रुपये का ऋण मेगा शिविर में किसानों को वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में किसान, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, कृषि उद्यमी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने किसानों से बैंकिंग योजनाओं का लाभ उठाकर कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया में 25 घंटे के भीतर एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया। शनिवार शाम करीब 4:30 बजे तेज धूप के बाद आसमान में बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोग जहां बारिश से बचने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढते दिखे, वहीं बच्चे भींगते हुए मस्ती करते नजर आए। जिले में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बारिश शुरू होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। हालांकि, बारिश थमते ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को फिर से बेहाल कर दिया। इससे पहले, शनिवार की सुबह तेज धूप के साथ हुई थी, जो दोपहर तक और तीव्र हो गई थी, जिससे लोग छांव तलाशते नजर आए।बारिश शुरू होते ही साइकिल, बाइक सवार और पैदल यात्री भीगने से बचने के लिए आसपास की जगहों पर छिपते दिखे। वहीं, कुछ लोग बारिश का लुत्फ उठाते हुए मस्ती में चलते नजर आए। कई युवा बाइक सवारों को बारिश में राइड का मजा लेते हुए भी देखा गया। बादलों के बीच हो रही बरसात के कारण सड़कों पर वाहन चालक अपनी हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाते दिखे।

सपा के पतन का रास्ता इतना दूर की वापसी नहीं-केतकी

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया की बांसडीह विधायक केतकी सिंह ने कन्नौज में शंकराचार्य के चौराहे पर विश्राम और उससे जुड़े बयान को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के ट्वीट पर भी पलटवार किया।शंकराचार्य से जुड़े मामले पर विधायक केतकी सिंह ने कहा कि वे हमारे शंकराचार्य हैं, इसलिए वह उन पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहतीं। हालांकि उन्होंने कहा कि स्वामी जी की यात्रा कई महीनों से चल रही है और यह बलिया समेत कई जिलों से होकर गुजरी है, लेकिन कहीं भी उन्हें रोका या टोका नहीं गया और न ही उनकी यात्रा को लेकर कोई दबाव बनाया गया।उन्होंने कहा कि जब शंकराचार्य कन्नौज पहुंचते हैं, तभी उन्हें रोकने की बात उठती है, जो उनके अनुसार हास्यास्पद है। विधायक ने शंकराचार्य के पद की गरिमा पर जोर देते हुए कहा कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था उनसे जुड़ी है और इसे बनाए रखना सभी का कर्तव्य है।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर बलिया में पर्यावरण संरक्षण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर एक विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया अनिल कुमार झा के आदेशानुसार यह शिविर शनिवार को एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राम बिलास प्रसाद और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव चन्द्र प्रकाश तिवारी ने किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया के दोकटी थाना क्षेत्र में पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश धीरज सिंह को गिरफ्तार कर लिया। हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा में भर्ती कराया गया है।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार देर रात दोकटी थाना पुलिस और एसओजी टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के प्रयास के मामले में वांछित और 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश धीरज सिंह क्षेत्र में मौजूद है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोकटी ढाला के पास घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में धीरज सिंह के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) संजय वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी धीरज सिंह दोकटी थाना क्षेत्र के लक्ष्मण छपरा गांव का निवासी है। वह 22 मार्च 2026 को सुजीत कुमार सिंह पर धारदार हथियार से हुए जानलेवा हमले के मामले में वांछित था और घटना के बाद से फरार चल रहा था।

बलिया में शिव महापुराण कथा नौ जून से

बलिया, 06 जून (देवव्रत संवाद)।बलिया के बाबा बालखंडी नाथ मंदिर परिसर में 9 से 15 जून तक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। इस कथा के निमित्त शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गई और भूमि पूजन संपन्न हुआ।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के संकल्प से शुरू हो रही इस कथा के लिए कलश यात्रा बांसडीह रोड तिराहा से प्रारंभ हुई। इसमें सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए भक्ति में लीन नजर आए, जबकि महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाए।

शनिदेव शक्तिपीठ पर ट्रस्ट और स्वामित्व को लेकर दो पक्षों में विवाद

पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया

बिलरियागंज, 06 जून (देवव्रत संवाद)। बिलरियागंज थाना क्षेत्र के दान शनिचरा गांव स्थित प्रसिद्ध शनिदेव शक्तिपीठ में शनिवार को ट्रस्ट और स्वामित्व को लेकर विवाद सामने आने के बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर स्थिति संभालते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद मंदिर के प्रबंधन, ट्रस्ट और स्वामित्व अधिकारों को लेकर है। एक पक्ष के विंध्याचल मिश्रा मंदिर और उससे संबंधित भूमि पर अपना दावा कर रहे हैं तथा इसे निजी संपत्ति बता रहे हैं। दूसरी ओर ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर को सार्वजनिक धार्मिक स्थल बताते हुए इसे गांव और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा संस्थान मान रहे हैं। दोनों पक्षों के दावों को लेकर मंदिर परिसर में कहासुनी और विरोध की स्थिति बन गई, जिससे कुछ समय तक तनावपूर्ण माहौल रहा। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि शनिदेव शक्तिपीठ क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक केंद्र है, जहां दूर-दराज के जिलों से श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। ऐसे में मंदिर के स्वामित्व और प्रबंधन को लेकर शुरू हुआ विवाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों, अभिलेखों और दावों का परीक्षण किया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

रिश्वतखोर लेखपाल को 6 वर्ष कारावास व 30 हजार का लगा अर्थदंड

आजमगढ़, 06 जून (देवव्रत संवाद)। भूमि प्रमाणपत्र बनवाने के नाम पर रिश्वत लेने के मामले में एंटी करप्शन कोर्ट ने राजस्व लेखपाल को दोषी करार देते हुए छह वर्ष के कठोर कारावास तथा 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश (एंटी करप्शन कोर्ट संख्या-1) अजय कुमार शाही ने शनिवार को सुनाया।अभियोजन पक्ष के अनुसार, वर्ष 2013 में भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन यूनिट) गोरखपुर को शिकायत मिली थी कि लालगंज तहसील में तैनात एक लेखपाल भूमि प्रमाणपत्र जारी करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत के सत्यापन के बाद एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। 12 दिसंबर 2013 को इंस्पेक्टर एन.पी. गौड़ के नेतृत्व में टीम ने राजस्व लेखपाल मनपूजन चौहान, निवासी बड़ागांव बहादुरपुर, थाना देवगांव, को 500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में बरदह थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना पूरी होने के बाद एंटी करप्शन टीम ने आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों के समर्थन में पांच गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद अदालत ने आरोपी लेखपाल मनपूजन चौहान को दोषी ठहराते हुए 6 वर्ष के कठोर कारावास और 30,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई।

दो नाबालिग बहनों से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

बिंद्राबाजार, 06 जून (देवव्रत संवाद)। थाना गम्भीरपुर क्षेत्र में दो सगी नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, 5 जून 2026 को पीड़िताओं की मां ने थाना गम्भीरपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव निवासी मोहम्मद जाहिद उर्फ रुस्तम ने उनकी दो नाबालिग बेटियों को बहला-फुसलाकर तथा धमकाकर अपने बाग में स्थित ट्यूबवेल कक्ष में ले जाकर उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोप यह भी है कि घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1), 351(3) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया। इसी दौरान सूचना मिली कि आरोपी मोटरसाइकिल से अपने घर की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर जहांनिया मोड़ के पास पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरा देखकर आरोपी भागने लगा और मोटरसाइकिल फिसलने के बाद उसने अवैध तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी द्वारा फायरिंग

जारी रखने पर जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें उसके दाहिने पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान मोहम्मद जाहिद उर्फ रुस्तम (45 वर्ष) निवासी बैराडीह उर्फ गम्भीरपुर, थाना गम्भीरपुर, जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा (.315 बोर), दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का उपचार कराते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मामले की विवेचना जारी है।

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

महराजगंज, 06 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में शनिवार सुबह एक युवक का शव आम के पेड़ से रस्सी के फंदे के सहारे लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भगवानपुर गांव निवासी संजय मौर्य (30) पुत्र स्वर्गीय लालू मौर्य का शव शनिवार सुबह घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित बगीचे में आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। सुबह ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ने के बाद इसकी सूचना परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मृतक के छोटे भाई संदीप मौर्य ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार संजय मौर्य की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व हुई थी। उसका दो वर्ष का एक पुत्र भी है। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके चलते उसकी पत्नी करीब दो वर्ष पूर्व पुत्र को लेकर मायके चली गई थी। इसके अलावा जमीन बंटवारे को लेकर पड़ोसियों से भी विवाद चल रहा था। इन कारणों से वह मानसिक तनाव में रहता था। पुलिस का कहना है कि युवक की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नकल प्रकरण पर भड़के परीक्षार्थियों ने बारिश में सड़क पर भीगकर किया प्रदर्शन

हाफिजपुर स्थित विद्या इंटर कॉलेज का मामला

आजमगढ़, 06 जून (देवव्रत संवाद)। शहर के हाफिजपुर स्थित विद्या इंटर कॉलेज में आयोजित नर्सिंग परीक्षा के दौरान कथित नकल प्रकरण सामने आने के बाद सैकड़ों परीक्षार्थियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर मूसलाधार बारिश के बीच सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान कुछ छात्रों को कथित रूप से नकल करते हुए पकड़े जाने की बात सामने आई। इसके बाद परीक्षा केंद्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया और बड़ी संख्या में परीक्षार्थी विरोध में सड़क पर उतर आए। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप था कि कुछ लोगों की कथित हरकतों के कारण पूरे परीक्षा केंद्र और सभी परीक्षार्थियों की छवि खराब की जा रही है। उनका कहना था कि यदि परीक्षा केंद्र पर नकल हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाए, न कि सभी छात्रों को संदेह के दायरे में रखा जाए। बारिश के बावजूद छात्र सड़क पर डटे रहे और परीक्षा व्यवस्था तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होने तक वे अपनी मांगों पर कायम रहेंगे। स्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस और कॉलेज प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा छात्रों को समझाने का प्रयास किया। बाद में शुभम तोदी तथा शहर कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित करने में जुट गए। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जानकारी जुटा रहा है। छात्रों की मांग है कि नकल प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जाए, ताकि निर्दोष परीक्षार्थियों के भविष्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

आंधी-तूफान और तकनीकी खामियों से चरमराई बिजली व्यवस्था, शहर से गांव तक उपभोक्ता परेशान

आजमगढ़, 06 जून (देवव्रत संवाद)। भीषण गर्मी, उमस और लगातार आ रहे आंधी-तूफान के कारण जनपद की विद्युत व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से लाखों उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को शहर में 33 हजार वोल्ट की मुख्य

विद्युत लाइन का तार टूटने से आधे शहर की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जबकि बरदह क्षेत्र में एक दिन पहले आए चक्रवाती तूफान ने विद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। शनिवार दोपहर सिधारी हाइडिल के समीप 33 केवी लाइन का तार टूट जाने से शहर के बड़े हिस्से की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मरम्मत कार्य में जुट गई, लेकिन देर शाम तक कार्य जारी रहा। विभागीय अधिकारियों ने शाम तक आपूर्ति बहाल करने का दावा किया था, हालांकि कई क्षेत्रों में देर रात तक बिजली नहीं पहुंच सकी। बिजली कटौती के कारण उमस भरी गर्मी में लोगों का जनजीवन प्रभावित रहा। इनवर्टर जवाब देने लगे और घरों, दुकानों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हल्की बूंदाबांदी से मौसम में कुछ राहत अवश्य मिली, लेकिन बिजली संकट बरकरार रहा।

उधर शुक्रवार को बरदह क्षेत्र में आए चक्रवाती तूफान और बारिश ने विद्युत व्यवस्था को गंभीर क्षति पहुंचाई। तेज आंधी के चलते लगभग 25 से 35 बिजली पोल क्षतिग्रस्त हो गए तथा कई स्थानों पर विद्युत तार टूटकर गिर गए। इसके कारण बकेश, गोधरा, जिवली, सरकरामऊ, पिलखुआ, उदियावा, फुरसुरी, बरदह और अहिरौली सहित अनेक गांवों की बिजली आपूर्ति घंटों तक बाधित रही। तेज हवा के कारण जिवली-देवगांव मार्ग पर बकेश गांव के पास एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। अवर अभियंता आतीश यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में लगभग 25 बिजली पोल क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि हुई है। अन्य क्षेत्रों में भी पेड़ गिरने और विद्युत लाइनों को नुकसान पहुंचने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय कर्मचारी युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य में लगे हुए हैं। इस बीच विद्युत विभाग ने रविवार को भी उपभोक्ताओं को बिजली कटौती की सूचना जारी की है। जाफरपुर 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर अनुरक्षण एवं तकनीकी कार्यों के चलते सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। अवर अभियंता संदीप कुमार के अनुसार बेलइसा, माइक्रोवेव, इंडस्ट्रियल तथा साउथ फीडर से जुड़े क्षेत्रों में लगभग सात घंटे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस दौरान सीटी प्रतिष्ठान, वाइंडिंग और अन्य अनुरक्षण कार्य किए जाएंगे। लगातार हो रही बिजली कटौती और खराब मौसम के कारण जिले के हजारों उपभोक्ता परेशान हैं। विद्युत विभाग का कहना है कि क्षतिग्रस्त पोलों और लाइनों की मरम्मत कर जल्द से जल्द सामान्य विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बी.ए. तृतीय वर्ष अनुक्रमांक 18207029188 का अंक प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। खुशबू यादव पुत्री सुरेश यादव निवासी ग्राम हुसेनपुर पोस्ट मधसिया तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़

चुनाव सूचना

श्रीमती तपेश्वरी देवी जायसवाल इण्टर कालेज सरदहां बाजार, आजमगढ़ के प्रबन्ध समिति के पदेन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबन्धक, उप प्रबन्धक, कोषाध्यक्ष एवं दस सदस्यों का चुनाव दिनांक 28.06.2026 को पूर्वाह्न 10.00 बजे से चुनाव अधिकारी श्री रामानन्द यादव एडवोकेट सिविल कोर्ट आजमगढ़ की देखरेख में विद्यालय प्रांगण में होना सुनिश्चित है। जिसमें साधारण सभा के सभी सदस्यों को उपस्थित होना अनिवार्य है। चुनाव कार्यक्रम निम्नवत है- 1. नामांकन पूर्वान्ह 10.00 बजे से 11.00 बजे तक। 2. नामांकन पत्रों की जांच एवं नाम वापसी पूर्वान्ह 11.00 बजे से 11.30 बजे तक। 3. प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन पूर्वान्ह 11.30 बजे से अपरान्ह 12.30 बजे तक। 4. मतदान यदि आवश्यक हुआ तो अपरान्ह 12.30 बजे से अपरान्ह 03.30 बजे तक। 5. मतगणना व चुनाव परिणाम की घोषणा मतदान के तत्काल बाद। प्रबन्धक-श्रीमती तपेश्वरी देवी जायसवाल इण्टर कालेज सरदहां बाजार, आजमगढ़

स्वयं सहायता समूहों को दिया गया 1.07 करोड़ का डेमो चेक

मुहम्मदपुर, 06 जून (देवव्रत संवाद)।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ब्लॉक मुहम्मदपुर के ग्राम पंचायत रानीपुर रजमों स्थित अस्थायी गौशाला में स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित वर्मी कम्पोस्ट वितरण एवं भुगतान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उपायुक्त (स्वतः रोजगार) डॉ. आराधना त्रिपाठी ने किया। मुख्य अतिथि एवं विजय बहादुर पाठक ने गो-धन संकल्प कार्यक्रम के तहत वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कार्य से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 1,07,04,170 का डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही रानीपुर रजमों, बैराडीह उर्फ गम्भीरपुर, सिंघड़ा एवं उत्तरगांवा ग्राम पंचायतों के प्रधानों को वर्मी कम्पोस्ट किट भी वितरित की गई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं से प्राप्त गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम करेंगी। विशिष्ट अतिथि एवं डॉ. कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा ने कहा कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में प्रदेश और देश के लिए मॉडल बन सकती है। मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले को 27,13,713 पौधों के रोपण का लक्ष्य मिला है। इसके लिए प्रति पौधा एक किलोग्राम की दर से कुल 27,13,713 किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट की आवश्यकता होगी, जिसका उत्पादन और आपूर्ति स्वयं सहायता समूहों द्वारा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले की स्थायी और अस्थायी गौशालाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। समूह 50 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से गोबर खरीदकर वर्मी कम्पोस्ट तैयार करेंगे और ग्राम पंचायतों को ₹10 प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराएंगे। भुगतान सीधे समूहों के खातों में किया जाएगा। सीडीओ के अनुसार इस योजना से स्वयं सहायता समूहों को लगभग 2.71 करोड़ तथा गौशालाओं को करीब 32.30 लाख की अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख मुहम्मदपुर विजय विश्वकर्मा, ब्लॉक प्रमुख तहबरपुर अजीत यादव, खंड विकास अधिकारी मनोज श्रीवास्तव, जिला एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधक, ग्राम प्रधान, सचिव तथा लगभग 200 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SHRUTI GARG था जिसे बदलकर SHRUTI कर लिया है भविष्य में मुझे SHRUTI नाम से जाना, पहचाना जाए। SHRUTI W/O AUMIT GOEL निवासी मोहल्ला खत्री टोला थाना कोतवाली तहसील सदर शहर व जिला आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या V0197991 में मेरे पति का नाम Mohammad Usman Khan दर्ज है जो गलत जबकि मेरे पति के आधार कार्ड व पैन कार्ड में उनका सही नाम Mohd Usman Khan दर्ज है इसे सही किया जाये। भविष्य में मुझे Shaikh Tasnim Kausar W/o Mohd Usman Khan निवासी ग्राम हाजीपुर कुदरत पोस्ट गोधना थाना पवई जनपद आजमगढ़ से जाना, पहचाना व पुकारा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या V0197993 में मेरा नाम Mohammad Usman S/o irshad Ahmad व मेरी पत्नी का नाम Tasneem Kausar दर्ज है जो गलत है। जबकि मेरे आधार व पैन कार्ड पर मेरा नाम Mohd Usman Khan S/o irshad Ahmad Khan दर्ज है व मेरी पत्नी का सही नाम Shaikh Tasnim Kausar जो कि सही है। भविष्य में मुझे मेरे आधार कार्ड व पैन कार्डवाले नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाये। निवासी ग्राम हाजीपुर कुदरत पोस्ट गोधना थाना पवई जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री सुफिया (SUFIYA) के पासपोर्ट पर माता का नाम नसीम बानो (NASEEM BANO) अंकित हो गया है। जबकि मेरी पुत्री की माता यानी मेरा सही नाम नसीम मिर्जा (NASEEM MIRZA) है। यही नाम उसके हाईस्कूल प्रमाण पत्र सहित अन्य अभिलेखों में भी दर्ज है। इसे सुधारा जाये। नसीम मिर्जा पत्नी मिर्जा मसीउद्दीन बेग निवासी मोहल्ला अलीनगर पोस्ट व थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232079697 एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2025 अनुक्रमांक 2256749937 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। कृष्ण यादव पुत्र देशराज यादव निवासी ग्राम चकमजनू पोस्ट व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़

पुलिस मॉडर्न स्कूल, 20वीं वाहिनी पीएसी, आजमगढ़

आवश्यकता है / विज्ञापन

पुलिस मॉडर्न स्कूल, 20वीं वाहिनी पीएसी, आजमगढ़ बेसिक शिक्षा परिषद से संबद्ध, अंग्रेजी माध्यम। स्कूल को योग्य, अनुभवी और समर्पित शिक्षकों से निम्नलिखित पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदक के पास उत्कृष्ट संचार कौशल, तकनीक का ज्ञान और एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि होनी चाहिए।

पदः अंग्रेजी एवं सामाजिक विज्ञान के शिक्षक (Teachers of English Science) (कक्षा 8 तक पढ़ाने हेतु, स्कूल की आवश्यकतानुसार अन्य विषय भी)

योग्यताः

- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर (Post Graduate)।
- मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.एड. (B.Ed.)।
- सीटीईटी/यूपीटीईटी उत्तीर्ण (CTET/TET qualified)।
- उत्तम कक्षा प्रबंधन और संचार कौशल।
- कंप्यूटर प्रवीणता को वरीयता।

वेतनः योग्यता और अनुभव के अनुसार।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा और समस्त शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा अनुभव प्रमाणपत्रों की स्व-प्रमाणित प्रतियों के साथ स्कूल कार्यालय में जमा करें।

जमा करने का समयः सुबह 10.00 से दोपहर 12.00 तक

जमा करने की तिथियां: 11.06.2026 से 15.06.2026 तक

संपर्क करें (Contact) : 9956234647

-प्रबंधक/सेनानायक